E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 | अंक: 51 | पृष्ठ: 8 | अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) | जयपुर, गुरुवार 03 सितंबर, 2026 | मूल्य: ₹10.00 | प्रभात | RNI NO. RJMUL/26/A4290

‘7 लाख घरों को पीएनजी कनेक्शन और शहरों में 24 घंटे बिजली’, राजस्थान निकाय चुनाव में भाजपा का वादा

थिंक राजस्थान

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को राजस्थान में होने वाले निकाय चुनावों के लिए अपना 'शहरी विकास संकल्प पत्र' जारी किया। इसमें तेजी से शहरी विकास, बेहतर पेयजल आपूर्ति, 7 लाख घरों को पीएनजी कनेक्शन और शहरों में 24 घंटे घरेलू बिजली आपूर्ति का वादा किया गया है। यह संकल्प पत्र जयपुर में पार्टी के राज्य मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में जारी किया गया। भाजपा ने कहा कि हर शहरी निकाय में 'वार्ड' को विकास की बुनियादी इकाई माना जाएगा। पार्टी ने पानी की कमी का सामना कर रहे निकायों में पेयजल आपूर्ति बेहतर करने और शहरी बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उपाय करने का भी वादा किया। राज्य स्तर पर संकल्प पत्र जारी करने के बाद, पार्टी अलग-अलग निकायों के लिए स्थानीय प्राथमिकताओं और जरूरतों को शामिल करते हुए अलग-अलग संकल्प पत्र भी जारी करेगी। भाजपा के प्रमुख वादों में राजस्थान भर में 7 लाख घरों को पीएनजी कनेक्शन देना, शहरी इलाकों में 24 घंटे घरेलू बिजली आपूर्ति, पानी की कमी वाले निकायों में बेहतर पेयजल आपूर्ति, शहरी विकास के लिए वार्ड को बुनियादी इकाई बनाना और अलग-अलग नगर निगमों, नगर पालिकाओं व अन्य शहरी निकायों के लिए स्थानीय स्तर पर अलग-अलग संकल्प पत्र जारी करना शामिल है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पार्टी ने इसे सिर्फ चुनावी घोषणा-पत्र कहने के बजाय जान-बूझकर 'संकल्प पत्र' नाम दिया है। शर्मा ने कहा कि हमने आज शहरी विकास संकल्प पत्र जारी किया है, क्योंकि घोषणा-पत्र का मतलब सिर्फ घोषणाएं करना होता है, जबकि संकल्प पत्र का मतलब काम पूरा करना है। उन्होंने आगे कहा कि यह दस्तावेज राजस्थान की जनता के प्रति पांच साल की प्रतिबद्धता को दिखाता है और शहरी विकास के लिए भाजपा सरकार के नजरिए को बताता है। कांग्रेस पर राजनीतिक निशाना साधते हुए शर्मा ने 'एक राज्य, एक चुनाव' लागू करने के सरकार के प्रस्ताव पर हुई आलोचना का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब मैंने विधानसभा में कहा कि हम 'एक राज्य, एक चुनाव' लागू करेंगे, तो कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने टिप्पणी की थी कि मेरे चाचा भी ऐसा नहीं कर पाएंगे। अब, उन्हें खुद देखने दीजिए कि आखिर कौन से 'चाचा' 'एक राज्य, एक चुनाव' को हकीकत बना रहे हैं। राज्य भाजपा अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि पार्टी को जनता का भरोसा हासिल है और वह संकल्प पत्र में किए गए वादों को पूरा करने के लिए काम करेगी। राठौड़ ने कहा कि जनता को सीएम भजनलाल शर्मा की गारंटी पर भरोसा है। आज हमने शहरी निकायों के लिए घोषणा-पत्र जारी किया है। हम जो कहते हैं, वह करते हैं। हम इस घोषणा-पत्र को पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने आगे कहा कि पिछले सालों में भाजपा सरकार के कामकाज की तुलना पिछली सरकारों के रिकॉर्ड से की जाएगी। राठौड़ ने कहा कि जनता इतिहास जानती और समझती है—दूसरों ने क्या कहा और किया, बनाम हमने क्या कहा और किया। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों ने सरकार का काम देखा है और उसके कामकाज को समझा है। भाजपा ने शहरी विकास के लिए 'संकल्प पत्र' तैयार करने के मकसद से 2 अगस्त को 13 सदस्यों वाली चुनाव घोषणापत्र समिति का गठन किया।

अजय राय ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के लिए नए सीईओ की नियुक्ति पर उठाए सवाल

थिंक राजस्थान

लखनऊ। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में बड़े प्रशासनिक फेरबदल के तहत पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा को राम मंदिर का पहला मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किए जाने के बाद उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि केवल नए सीईओ की नियुक्ति कर देना कोई बड़ी उपलब्धि नहीं है, जब तक कि कथित चढ़ावा मामले में जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई नहीं होती। अजय राय ने कहा, ‘जो चढ़ावा चोर हैं, उनके खिलाफ क्या कार्रवाई हुई? क्या नए सीईओ चढ़ावा चोरी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे? या भगवान के दरबार से जो पैसे गायब हुए हैं, क्या वे फिर से दान पात्र में आएंगे या रिकॉर्ड में वापस दर्ज होंगे?’ उन्होंने कहा कि सिर्फ किसी को सीईओ बना देने या किसी पद पर बैठा देने से वह इसे बड़ी उपलब्धि मानने को तैयार नहीं हैं। राय ने आरोप लगाया कि जिन लोगों पर चढ़ावे से जुड़े विवादों के आरोप लगे हैं, उनके खिलाफ जवाबदेही तय होनी चाहिए। अजय राय ने कहा कि वहां परम पूज्य शंकराचार्य जी से जुड़े लोगों द्वारा नामित व्यक्तियों को जिम्मेदारी दी जानी चाहिए थी।

डिनर डिप्लोमेसी के जरिए नितिन नवीन का बड़ा दांव, राज्यों के मंत्रियों के साथ बनाई रणनीति

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपने आवास पर बुधवार को रात्रि भोज बुलाया था। इसमें अलग-अलग राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री पहुंचे थे। इस दौरान नितिन नवीन ने अलग-अलग राज्यों से पहुंचे जल संसाधन मंत्रियों के साथ जलमंथन किया। इसके अलावा उन्होंने जलमंथन-विकसित भारत जल शक्ति कार्यशाला को संबोधित किया। बैठक में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल भी आए हुए थे। उनके अलावा ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, हरियाणा की जलशक्ति मंत्री श्रुति चौधरी, राजस्थान के मंत्री सुरेश रावत, यूपी के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह शामिल हुए थे। भाजपा नेता विनय सहस्त्रबुद्धे भी इसमें शामिल होने के लिए पहुंचे। नितिन नवीन की इस बैठक को डिनर डिप्लोमेसी टेक्निक माना जा रहा है। इसके अंतर्गत नेताओं को साधने का प्रयास है। भाजपा प्रमुख ने सभी मंत्रियों को पार्टी कार्यालय बुलाने के बजाय उनके आवास पर पहुंचने के निर्देश दिए थे, ताकि आगामी चुनावों के लिए विचार-विमर्श किया जा सके। इस मीटिंग के बाद पश्चिम बंगाल के मंत्री निशीथ प्रमाणिक ने कहा कि पार्टी प्रमुख ने आवास पर सभी मंत्रियों के लिए डिनर के लिए निमंत्रण दिया गया था। इसके अलावा उन्होंने उन्हें मार्गदर्शन दिया कि हमें पानी को अपने जीवन में एक मिशन कैसे बनाना है।

पूर्व एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा बने राम मंदिर के पहले CEO, पहली बार महिला सदस्य

थिंक राजस्थान

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मंदिर के प्रशासनिक ढांचे में ऐतिहासिक बदलाव करते हुए भारतीय वायु सेना के पूर्व एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा को राम मंदिर का पहला मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) नियुक्त किया है।

वहीं, ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि को नया महासचिव बनाया गया है। चढ़ावा चोरी विवाद और चंपत राय के इस्तीफे के करीब दो महीने बाद ट्रस्ट की बैठक में प्रशासनिक पारदर्शिता और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए यह बड़े निर्णय लिए गए हैं।

प्रशासनिक फेरबदल और नई नियुक्तियां

पहले CEO बने जीतेंद्र मिश्राः वायु सेना की फाइटर स्ट्रीम में 39 वर्षों तक सेवाएं देने वाले और ऑपरेशन सिंदूर में वेस्टर्न एयर कमांड का नेतृत्व करने वाले रिटायर्ड एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा मंदिर के पहले पूर्णकालिक CEO होंगे। देवरिया (उत्तर प्रदेश) के निवासी मिश्रा सुरक्षा, एआई निगरानी, भीड़ प्रबंधन और 1,500 से 2,000 कर्मियों की टीम की सीधी मॉनिटरिंग करेंगे। गोविंद देव गिरि नए महासचिवः प्राण-प्रतिष्ठा के मुख्य पुरोहित और ट्रस्ट के गठन (2020) से कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे स्वामी गोविंद देव गिरि को नया महासचिव बनाया गया है। वे कार्यवाहक महासचिव कृष्ण मोहन (58 दिन का कार्यकाल) का स्थान लेंगे। महेश भागचंदका नए कोषाध्यक्षः दिल्ली के प्रमुख व्यवसायी महेश भागचंदका को ट्रस्टी बनाकर कोषाध्यक्ष पद का प्रभार सौंपा गया है। CEO और कोषाध्यक्ष सीधे महासचिव को रिपोर्ट करेंगे। ट्रस्ट में तीन नए चेहरेः ट्रस्ट में पहली बार किसी महिला को स्थान मिला है। शिकोहाबाद की संघ समर्थक निर्मला यादव ट्रस्ट की पहली महिला ट्रस्टी बनी हैं। पूर्णकालिक प्रशासनिक नियंत्रणः अधिकांश ट्रस्टी दूसरे शहरों में रहते हैं।

रीवा-सीधी मार्ग पर भीषण हादसा, बस-बुल्कर की टक्कर में 5 की मौत, 21 घायल, CM ने सहायता राशि देने का किया ऐलान

थिंक राजस्थान

भोपाल। नेशनल हाईवे-39 पर बुधवार शाम एक दर्दनाक हादसा हो गया है। रीवा-सीधी मार्ग पर एक यात्री बस की बल्कर से जोरदार भिड़ंत हो गई। इस हादसे में पांच अज्ञात लोगों की जान चली गई, जबकि 21 घायल बताए जा रहे हैं। इनमें से तीन लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें ICU वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है। इस घटना पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने दुख व्यक्त किया है और सहायता राशि देने का ऐलान किया। यह हादसा बुधवार शाम करीब 5 बजे का बताया जा रहा है, जो जिला मुख्यालय से लगभग 32 किलोमीटर दूर हुआ था। नेशनल हाईवे-39 पर एमपी 29 पी 1501 नंबर की एक यात्री बस और बल्कर की भयंकर टक्कर हो गई। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया था और चारों तरफ चीख-पुकार मच गई थी। इसकी सूचना स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और प्रशासन को दी। तत्काल थाना प्रभारी टीम के साथ मौके के लिए रवाना हो गए। यहां पर पहुंचते ही राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया। घटना की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए रीवा कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी और एसपी डॉ. गुरकरण सिंह भी मौके पर पहुंच गए। उनके साथ एसडीएम सुधाकर सिंह, तहसीलदार अरुण यादव, रायपुर कर्चुलियान थाना प्रभारी राजकुमार तिवारी समेत प्रशासनिक अमला भी पहुंचा। स्थानीय लोगों और जेसीबी की सहायता से हादसे का शिकार हुई बस को खाई से बाहर निकाला गया। इसके बाद बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया और उन्हें उपचार के लिए पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुढ़ ले जाया गया। यहां पर उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया और गंभीर घायलों को श्याम शाह मेडिकल कॉलेज के संजय गांधी अस्पताल, रीवा रेफर किया गया। हादसे की जानकारी मिलने के बाद मुख्यमंत्री

मोहन यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया और घायलों के जल्द ठीक होने के लिए भगवान से प्रार्थना की। इसके साथ ही उन्होंने मृतकों के परिजनों को राज्य शासन की तरफ से 2-2 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 1-1 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है। हादसे के बाद प्रशासन ने घटनास्थल पर यातायात व्यवस्था को नियंत्रित किया और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाने की कार्रवाई शुरू की। कुछ समय के लिए मार्ग पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही। पुलिस ने मौके पर मौजूद लोगों से घटना की जानकारी जुटाई और हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी। अस्पताल पहुंचाए गए घायलों का चिकित्सकों की टीम द्वारा उपचार किया गया। गंभीर रूप से घायल मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए रीवा रेफर किया गया।

होर्मुज स्ट्रेट का नाम बदलकर ट्रंप स्ट्रेट कर देना चाहिए

थिंक राजस्थान

वॉशिंगटन/तेहरान। अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य व कूटनीतिक टकराव खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सामरिक रूप से बेहद संवेदनशील जलमार्ग 'होर्मुज स्ट्रेट' (Strait of Hormuz) का नाम बदलकर अपने नाम पर रखने का शिगूफा छेड़ा है, जिस पर तेहरान ने बेहद तल्ख तेवर अपनाते हुए अमेरिका की 'नींव चकनाचूर' करने की चेतावनी दी है। 'अब जबकि यह क्षेत्र अमेरिका के नियंत्रण में आ चुका है, क्या हमें होर्मुज स्ट्रेट का नाम बदलकर 'ट्रंप स्ट्रेट' कर देना चाहिए? अमेरिका की तरह ही यह भी पहले से कहीं अधिक 'हॉट' साबित होगा।' ट्रंप के बयान और अमेरिकी हमलों पर ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मोहसेन रेजाई ने कड़ा जवाब दिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर लिखा कि अमेरिका इन हताश और आक्रामक चालों से अपने ही बनाए नरक से बच नहीं पाएगा।

पाकिस्तान में करीब 100 साल पुराने मंदिर तोड़े जाने पर विदेश मंत्रालय ने जताई चिंता

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। पाकिस्तान में बने करीब 100 साल पुराने मंदिर को तोड़ दिया गया है। इस मामले में भारत सरकार ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस घटना पर चिंता व्यक्त की है और बताया कि इस घटना से यह देखने को मिलता है कि पाकिस्तान किस प्रकार अल्पसंख्यकों पर बर्बरता कर रहा है। इस मामले में मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मांग करते हुए कहा कि इस मामले की जांच होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 'पाकिस्तान के नारोवाल जिले के सिराज गांव में एक ऐतिहासिक हिंदू मंदिर के विध्वंस की भयावह खबरों से हम बेहद चिंतित हैं। हम एक सदी पुराने अल्पसंख्यक पूजा स्थल के खिलाफ बर्बरता के इस निंदनीय कृत्य की कड़ी निंदा करते हैं।' उनका कहना है कि पड़ोसी देश के अधिकारियों की उदासीनता के कारण वे इस पुराने मंदिर की रक्षा करने में नाकाम रहे हैं, जो चिंताजनक है। रणधीर जायसवाल ने अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर कहा, 'इस तरह की घटनाएं दिखाती हैं कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदाय के लोग कितने असुरक्षित हैं और उनके धर्म की आजादी और उनके पूजा-स्थलों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है।' जायसवाल ने पाकिस्तान सरकार से इस घटना की जल्द से जल्द पारदर्शी जांच कराने और दोषियों को जवाबदेह ठहराने की मांग की। साथ ही कहा कि टूटे हुए मंदिर को दोबारा ठीक कराया जाए और देश में रहने वाले सभी अल्पसंख्यक लोगों की सुरक्षा और उनके धार्मिक स्थलों की रक्षा करने की जिम्मेदारी सरकार निभाए। पाकिस्तान में जिस मंदिर को गिराया गया है, वह करीब 100 से 125 साल पुराना बताया जा रहा है, जो लाहौर से लगभग 130 किलोमीटर दूर पंजाब प्रांत के नारोवाल जिले के सिराज गांव में स्थित था। इसे गिराने के बाद स्थानीय लोगों, अल्पसंख्यक संगठनों और कुछ राजनीतिक दल ने आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ धार्मिक कट्टरपंथियों ने मंदिर को इसलिए गिराया कि उसके पास बने मदरसे को मिलाने के लिए यह काम किया गया है। पाकिस्तान मसीहा मिल्लत पार्टी ने पंजाब सरकार से मंदिर को गिराने में शामिल लोगों पर कार्रवाई और उसके पुनर्निर्माण की मांग की है।

अब तक 166 भारतीयों का रेस्क्यू, कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए 410 भारतीय चीन से लौटे

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। नेपाल में विनाशकारी बाढ़ के बाद भारत का राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, अब तक 166 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाला जा चुका है, जिनमें बुधवार को बचाए गए तीन लोग भी शामिल हैं। वहीं, कैलाश मानसरोवर यात्रा और अन्य गतिविधियों के लिए तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र गए 410 भारतीय नागरिक बुधवार को चीन से रवाना हो गए। भारत ने बुधवार को राहत सामग्री की पांचवीं खेप नेपाल भेजी। भारतीय वायुसेना का एक विमान काठमांडू पहुंचा, जिसमें करीब 5.5 टन चिकित्सा सामग्री भेजी गई। इसमें एंटीबायोटिक्स, दर्द निवारक दवाएं, सर्जिकल उपकरण और अन्य आवश्यक दवाएं शामिल हैं। इसके साथ ही विमान में 11 सदस्यीय विशेष बचाव दल और छह टन से अधिक आधुनिक रेस्क्यू उपकरण भी भेजे गए।

कश्मीरी पंडितों को मिल रही धमकियों पर फारूक का हमला, LG की चुप्पी पर उठाए सवाल

थिंक राजस्थान

श्रीनगर। कश्मीरी पंडितों को लगातार धमकियां मिल रही हैं। इस बीच नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला का बयान सामने आया है। उन्होंने राज्य के LG मनोज सिन्हा के नेतृत्व वाले प्रशासन को घेरने का काम किया है। उन्होंने मिली धमकियों के पीछे साजिश की आशंका जताई है।

साथ ही आरोप लगाया कि इसका मकसद जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने से रोकना है। उन्होंने सवाल किया कि लेफ्टिनेंट गवर्नर (LG) इस मामले में कोई जवाब क्यों नहीं दे रहे हैं? फारूक अब्दुल्ला ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा, ‘ये कौन उन्हें धमकी दे रहा है? यहां कश्मीरी पंडित ही सिर्फ नहीं रह रहे हैं, यहां पर सब अधिकारी हिंदू हैं जो बाहर से हैं। आपके पुलिस के DG, SP सब हिंदू हैं तो इन्हें क्यों धमकी नहीं मिल रही?’ उन्होंने आगे सवाल करते हुए कहा, ‘सवाल ये है कि अगर हिंदू को धमकी मिल रही है तो उन्हें क्यों नहीं मिल रही? ये एक साजिश है और मैं ईमानदारी से कहता हूं कि ये साजिश सिर्फ इस रियासत को स्टेटहुड से बाहर रखने की कोशिश की जा रही है और डर का माहौल पैदा किया जा रहा है। सारी दुनिया में ये घूम रहे हैं और कह रहे हैं कि अमन आ गया है।

संपादकीय

अजनबी से सावधान! 'नहीं कहो, दूर जाओ और बताओ' का दिया संदेश

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सरदारशहर। तालुका विधिक सेवा समिति, सरदारशहर के तत्वावधान में राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चूरू के निर्देश में मंगलवार को ट्रांसफॉर्मेटिव ट्यूजडे अभियान के तहत तीन शिक्षण संस्थानों में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए गए।

इनमें करीब 650 विद्यार्थियों ने भाग लिया। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, उड़सर लोडेरा में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रीतिका चौहान, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जीवनदेसर में न्यायिक मजिस्ट्रेट रूबल तथा सरदार भगतसिंह शिक्षण संस्थान में अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश डॉ. नरेन्द्र सिंह राठौड़ ने विद्यार्थियों को 'Stranger Danger – No, Go, Tell' का संदेश देते हुए अजनबी से सावधान रहने, 'नहीं' कहने, सुरक्षित स्थान पर जाने और भरोसेमंद व्यक्ति को जानकारी देने के लिए जागरूक किया। वक्ताओं ने बच्चों को अनजान लोगों के उपहार, प्रलोभन, धमकी या बहकावे से सतर्क रहने की सलाह दी। शिविर में अपहरण, बाल तस्करी, बाल श्रम, जबरन भीख मंगवाने तथा शोषण से बचाव के उपाय बताए गए। साथ ही सोशल मीडिया और इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग, अनजान लोगों से ऑनलाइन संपर्क से बचने तथा निजी जानकारी साझा नहीं करने के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में POCSO Act, किशोर न्याय अधिनियम एवं भारतीय न्याय संहिता-2023 के तहत बच्चों को मिले कानूनी संरक्षण की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को किसी भी शोषण या उत्पीड़न की स्थिति में चुप न रहने और तत्काल भरोसेमंद व्यक्ति या सहायता तंत्र को सूचना देने की बात कही गई। अपर लोक अभियोजक पवन कुमार सैनी, पैनल अधिवक्ता संदीप कुमार भोजक एवं अधिवक्ता अंतिमा जाड़ीवाल ने चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 एवं रालसा हेल्पलाइन 15100 की जानकारी दी। कार्यक्रम में विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

नगर निकाय चुनाव: 2372 नामांकन पत्रों की संवीक्षा, 392 खारिज

एजेंसी, थिंक राजस्थान

चूरू। नगर निकाय आम चुनाव-2026 के तहत चूरू जिले की 11 नगरीय निकायों के 430 वार्डों के लिए दाखिल 2055 अभ्यर्थियों के कुल 2372 नामांकन पत्रों की मंगलवार को संवीक्षा की गई। संवीक्षा के बाद 392 नामांकन पत्र खारिज हुए, जबकि अब 1882 अभ्यर्थियों के 1980 नामांकन पत्र स्वीकृत किए गए हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी (एडीएम) अर्पिता सोनी ने बताया कि संवीक्षा के बाद बीदासर में 133, तारानगर में 125, साहवा में 65, रतननगर में 75, रतनगढ़ में 226, राजलदेसर में 150, राजगढ़ में 282, छापर में 97, चूरू में 251, सुजानगढ़ में 266 तथा सरदारशहर में 212 अभ्यर्थियों के नामांकन स्वीकृत हुए हैं। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार अभ्यर्थी 3 सितंबर 2026 को दोपहर 3 बजे तक अपनी अभ्यर्थिता वापस ले सकेंगे। इसके बाद 4 सितंबर को चुनाव चिह्नों का आवंटन किया जाएगा।

पुणे में सजेगा 'द रॉयल कारवां', राजस्थान की विरासत, संस्कृति और अनदेखे पर्यटन स्थलों से रूबरू होंगे पर्यटक

एजेंसी, थिंक राजस्थान

राजस्थान की समृद्ध विरासत, संस्कृति, खान-पान और अनदेखे पर्यटन स्थलों को देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत करने के उद्देश्य से 'द रॉयल कारवां' का आयोजन 11 सितंबर को पुणे में किया जाएगा। भाई टूरिज्म क्लब की ओर से आयोजित इस विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य राजस्थान को उसके पारंपरिक पर्यटन स्थलों से आगे एक नए और अनूठे रूप में प्रस्तुत करना है। कार्यक्रम में राजस्थान के इतिहास, संस्कृति, खान-पान और छिपे हुए पर्यटन स्थलों की विशेषताओं को देशभर के पर्यटन कारोबार से जुड़े लोगों के सामने रखा जाएगा। 'द रॉयल कारवां' के माध्यम से पर्यटकों को राजस्थान की शाही विरासत, ऐतिहासिक किलों, परंपराओं और वीर योद्धाओं की गौरवशाली गाथाओं से परिचित कराया जाएगा। इसके साथ ही प्रदेश की लोक संस्कृति, संगीत, नृत्य और कला की विविधता को भी प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम में राजस्थान के पारंपरिक और प्रामाणिक व्यंजनों के जरिए प्रदेश की समृद्ध खान-पान संस्कृति से भी लोगों को रूबरू कराया जाएगा। आयोजन की खासियत यह रहेगी कि राजस्थान के लोकप्रिय पर्यटन स्थलों के साथ-साथ ऐसे स्थानों को भी सामने लाया जाएगा, जो अभी तक बड़े पर्यटन मानचित्र पर अपनी पहचान नहीं बना पाए हैं। रेगिस्तान और ऐतिहासिक धरोहरों के अलावा कम चर्चित गांवों, अनछुए पर्यटन स्थलों, वन्यजीव क्षेत्रों, बर्डिंग स्पॉट्स और छिपी हुई विरासत को भी पर्यटकों के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। इसके जरिए राजस्थान में नए पर्यटन मार्ग और टूर पैकेज विकसित करने की संभावनाओं को बढ़ावा मिलेगा। आयोजकों का कहना है कि 'द रॉयल कारवां' केवल एक पर्यटन कार्यक्रम नहीं, बल्कि राजस्थान को नए नजरिए से जानने और अनुभव करने का अवसर है। इसका संदेश 'Meet Rajasthan. Experience Rajasthan. Discover the Unknown Rajasthan' रखा गया है। कार्यक्रम के जरिए राजस्थान के पर्यटन कारोबार से जुड़े लोगों और देश के अन्य हिस्सों के ट्रैवल नेटवर्क के बीच संपर्क बढ़ाने तथा पर्यटन क्षेत्र में नए अवसर पैदा करने पर भी जोर रहेगा। भाई टूरिज्म क्लब के अध्यक्ष अवधेश सिंह पंवार, उपाध्यक्ष अमित सिंह और सचिव अंसार पठान के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम को राजस्थान की पर्यटन संभावनाओं को व्यापक स्तर पर प्रचारित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। आयोजकों के अनुसार 'One Network Endless Opportunities' की अवधारणा के साथ यह आयोजन राजस्थान के पर्यटन को नए बाजारों और नए यात्रियों से जोड़ने का माध्यम बनेगा। आयोजन में पर्यटन कारोबार से जुड़े प्रतिनिधियों, यात्रा संचालकों और अन्य हितधारकों के बीच संवाद को भी प्राथमिकता दी जाएगी। राजस्थान के पर्यटन उत्पादों को अलग-अलग क्षेत्रों के यात्रियों की जरूरत के अनुरूप प्रस्तुत करने तथा नए व्यावसायिक साझेदारी के अवसर तलाशने पर चर्चा होगी। इससे प्रदेश के स्थानीय पर्यटन कारोबारियों को नए बाजारों तक पहुंच बनाने का अवसर मिल सकता है। कार्यक्रम में विशेष रूप से ग्रामीण और कम चर्चित पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देने पर जोर रहेगा। ऐसे स्थानों की पहचान और प्रचार से पर्यटन का लाभ केवल बड़े शहरों और प्रसिद्ध स्थलों तक सीमित न रहकर छोटे कस्बों और गांवों तक पहुंचाने की संभावना बढ़ेगी। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर भी पैदा हो सकते हैं। राजस्थान की हस्तशिल्प परंपरा और स्थानीय कला को भी पर्यटन से जोड़ने की दिशा में पहल की जाएगी। विभिन्न क्षेत्रों की पारंपरिक कलाओं, वस्त्रों, आभूषणों और शिल्प उत्पादों को पर्यटकों तक पहुंचाने से स्थानीय कारीगरों को बाजार मिलने की उम्मीद है। पर्यटन के साथ संस्कृति और स्थानीय अर्थव्यवस्था को जोड़ना इस पहल का महत्वपूर्ण पक्ष रहेगा। आयोजकों का मानना है कि आज का पर्यटक केवल ऐतिहासिक स्मारकों को देखने तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि स्थानीय जीवनशैली, भोजन, कला, प्रकृति और परंपराओं का अनुभव भी करना चाहता है। इसी बदलती पर्यटन रुचि को ध्यान में रखते हुए राजस्थान के विविध अनुभवों को एक मंच पर प्रस्तुत करने की तैयारी की जा रही है। पर्यटन कारोबारियों के बीच संपर्क बढ़ने से भविष्य में राजस्थान केंद्रित नए यात्रा कार्यक्रम और अनुभव आधारित पर्यटन योजनाएं तैयार होने की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। 'द रॉयल कारवां' के जरिए आयोजकों का लक्ष्य राजस्थान की पारंपरिक पहचान को बनाए रखते हुए उसके कम पहचाने गए पहलुओं को सामने लाना है।

वार्ड 44 की एससी आरक्षित सीट पर किन्नर प्रत्याशी की पात्रता को लेकर आपत्ति

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सरदारशहर। नगर परिषद चुनाव-2026 के बीच वार्ड संख्या 44 की एससी आरक्षित सीट पर किन्नर प्रत्याशी की चुनावी पात्रता को लेकर आपत्ति सामने आई है। निर्दलीय प्रत्याशी एवं निवर्तमान पार्षद राकेश कुमार जगरवाल ने निर्वाचन अधिकारी को लिखित शिकायत देकर भाजपा प्रत्याशी मोनिका बाई किन्नर की पात्रता और जाति प्रमाण पत्र की जांच की मांग की है। शिकायत में जगरवाल ने कहा कि वार्ड 44 की सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है, ऐसे में प्रत्याशी की एससी संबंधी पात्रता और जाति प्रमाण पत्र की वैधता की जांच जरूरी है। उन्होंने दावा किया कि मोनिका बाई करीब सात वर्षों से वार्ड में निवास कर रही हैं तथा उनके जांगिड़ समाज में जन्म होने की बात बताई जाती रही है। इसी आधार पर उन्होंने आरक्षित सीट से चुनाव लड़ने की पात्रता की जांच की मांग की है। जगरवाल ने निर्वाचन अधिकारी से नामांकन एवं संबंधित दस्तावेजों की विधिवत जांच कर तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट करने तथा यदि जाति प्रमाण पत्र या अन्य दस्तावेज गलत तथ्यों के आधार पर बनाए या प्रस्तुत किए जाने की पुष्टि हो तो नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है। आपत्ति के बाद वार्ड 44 में चुनावी हलचल बढ़ गई है।

उर्वरक लाइसेंस के लिए आवेदन नहीं करने वाली 75 सहकारी समितियों को अंतिम चेतावनी

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्राम सेवा सहकारी समितियों (पैक्स) को उर्वरक लाइसेंस दिलाने की प्रक्रिया में लापरवाही अब संबंधित कार्मिकों पर भारी पड़ सकती है। सहकारी बैंक ने अब तक लाइसेंस के लिए आवेदन नहीं करने वाली 75 ग्राम सेवा सहकारी समितियों को अंतिम अवसर देते हुए आगामी पांच दिनों में आवेदन करने के निर्देश दिए हैं। निर्धारित अवधि में आवेदन नहीं करने पर संबंधित कार्मिकों के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। बैंक के एमडी रणवीर सिंह ने आदेश जारी कर सभी संबंधित शाखा प्रबंधकों एवं ऋण पर्यवेक्षकों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। आदेश में कहा गया है कि बार-बार निर्देश जारी किए जाने के बावजूद सूचीबद्ध समितियों की ओर से उर्वरक लाइसेंस के लिए आवेदन नहीं किया गया। इससे पहले बैंक, अतिरिक्त रजिस्ट्रार सहकारी समितियां बीकानेर खंड और शीर्ष बैंक की ओर से भी निर्देश जारी किए जा चुके हैं।

तनवीर खान ने किया बुटिया में श्री बाबा बालक नाथ रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन-2 का शुभारंभ

एजेंसी, थिंक राजस्थान

चूरू। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती बुटिया गांव में खेल प्रतिभाओं को मंच देने और युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित श्री बाबा बालक नाथ रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन-2 का शुभारंभ मुख्य अतिथि तनवीर खान ने किया। गांव पहुंचने पर ग्रामवासियों और खेल प्रेमियों ने तनवीर खान का आतिशबाजी, गाजे-बाजे और रथ के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम श्री निरंजन नाथ महाराज के आशीर्वाद से आयोजित हुआ। इस दौरान सरपंच बंशीधर मेघवाल, उप सरपंच सोनू जोगी, पूर्व सरपंच रामेश्वर लाल कस्वां, मोहर सिंह कस्वां, डॉ. रामचंद्र प्रजापत, हनुमान राम कस्वां, दिलीप स्वामी, बशीर खान सहित अनेक गणमान्य नागरिक और खेल प्रेमी मौजूद रहे। समारोह को संबोधित करते हुए तनवीर खान ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतियोगिताएं युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतर मंच देती हैं। खेलों से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के साथ अनुशासन, टीम भावना और भाईचारे का विकास होता है। उन्होंने खिलाड़ियों से हार-जीत की चिंता किए बिना खेल भावना के साथ मैदान में उतरने का आह्वान किया।

आयोजन समिति के अनुसार प्रतियोगिता की विजेता टीम को 1 लाख 11 हजार 111 रुपये नकद व ट्रॉफी, उपविजेता टीम को 51 हजार 111 रुपये व ट्रॉफी दी जाएगी। वहीं, मैन ऑफ द सीरीज को 5,100 रुपये का पुरस्कार मिलेगा। मुख्य अतिथि ने फीता काटकर और पिच पर पहली गेंद खेलकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

इसके बाद उद्घाटन मुकाबला खेला गया। प्रतियोगिता में क्षेत्र की कई नामी टीमें हिस्सा ले रही हैं।

इस अवसर पर तनवीर खान के साथ पहुंचे आसिफ खान, विक्की कस्वा, जाबीर खान, राकेश शर्मा, नासिर खान एडवोकेट और साजिद खान सहित अन्य अतिथियों का स्वागत किया गया।

टिकट नहीं मिलने पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष पूर्व आईपीएस मदन गोपाल मेघवाल से मारपीट

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। नगर निगम चुनाव के बीच बीकानेर शहर कांग्रेस में टिकट वितरण को लेकर विवाद सामने आया है। शहर कांग्रेस जिला अध्यक्ष एवं पूर्व आईपीएस अधिकारी मदन गोपाल मेघवाल के साथ बुधवार को वार्ड 50 में मारपीट किए जाने का मामला सामने आया। मेघवाल वार्ड 50 से कांग्रेस प्रत्याशी नवरतन डागा के चुनाव कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे थे। मेघवाल के अनुसार, कांग्रेस कार्यकर्ता मोहित अरोड़ा और उसके तीन साथी उन्हें माला पहनाने और स्वागत करने के बहाने कार्यालय से बाहर ले गए। आरोप है कि वहां मोहित अरोड़ा ने वार्ड 50 से टिकट नहीं मिलने को लेकर सवाल किया। बातचीत के दौरान चारों ने कथित तौर पर चांटे और मुक्कों से उनके साथ मारपीट की। मेघवाल ने बताया कि मोहित अरोड़ा पिछले दो दिनों से वार्ड 50 से कांग्रेस का टिकट मांग रहा था।

कालंद्री में निर्मित नर्मदा तिथि पंचांग का दसवां संस्करण राज्यपाल को भेंट

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सिरोही। सिरोही जिले के कालंद्री में निर्मित प्रसिद्ध नर्मदा तिथि पंचांग के दसवें संस्करण की पुस्तक मंगलवार को जयपुर स्थित राजभवन में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागड़े को ससम्मान भेंट की गई। पंचांग के निर्माता डॉ. चंद्रेश घनश्याम जोशी एवं एडवोकेट हर्ष प्रजापत ने राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें पंचांग की प्रति भेंट की। इस दौरान राज्यपाल बागड़े ने पंचांग के प्रकाशन कार्य की सराहना करते हुए इसके लिए शुभकामनाएं दीं। नर्मदा तिथि पंचांग में भारतीय वैदिक कालगणना के अनुसार तिथि, वार, नक्षत्र, योग और करण सहित विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों के लिए शुभ मुहूर्तों की विस्तृत जानकारी दी गई है। पंचांग में विवाह, गृहप्रवेश, मुंडन सहित विभिन्न संस्कारों एवं धार्मिक कार्यों के शुभ मुहूर्त भी शामिल किए गए हैं। पंचांग के निर्माता डॉ. चंद्रेश घनश्याम जोशी ने बताया कि जनकल्याण की भावना को ध्यान में रखते हुए इस संस्करण में धार्मिक एवं आध्यात्मिक सामग्री को भी शामिल किया गया है। इसमें श्री विष्णु सहस्त्रनाम, श्री सूक्त सहित विभिन्न आध्यात्मिक एवं धार्मिक स्तोत्रों की जानकारी दी गई है। उन्होंने बताया कि इसका उद्देश्य आमजन को एक ही स्थान पर पंचांग संबंधी जानकारी के साथ-साथ दैनिक पाठ एवं धार्मिक सामग्री उपलब्ध कराना है। राजभवन जयपुर में राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागड़े को नर्मदा तिथि पंचांग भेंट करते हुए एडवोकेट हर्ष प्रजापत एवं डॉ. चंद्रेश घनश्याम जोशी। डॉ. चंद्रेश घनश्याम जोशी ने बताया कि पंचांग को तैयार करते समय भारतीय परंपराओं और वैदिक कालगणना की प्रामाणिकता का विशेष महत्व दिया गया है। दसवें संस्करण को पहले के संस्करणों की तुलना में अधिक उपयोगी और जनसामान्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि पंचांग केवल तिथि और मुहूर्त की जानकारी देने तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं से लोगों को जोड़ने का माध्यम भी है।

बीकानेर के देवेंद्र भाटी के नेतृत्व में राष्ट्रीय चैंपियनशिप खेलेगी राजस्थान जूनियर फुटबॉल टीम

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। डॉ. बी.सी. रॉय ट्रॉफी जूनियर बॉयज नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप 2026-27 में राजस्थान की जूनियर बालक फुटबॉल टीम बीकानेर के देवेंद्र सिंह भाटी के नेतृत्व में उतरेगी। भाटी को टीम का हेड कोच तथा बीकानेर के नीरज चौधरी को टीम मैनेजर नियुक्त किया गया है। सितंबर के पहले सप्ताह से शुरू होने वाली राष्ट्रीय चैंपियनशिप में राजस्थान का पहला मुकाबला बिहार से होगा। नागौर में आयोजित राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में बीकानेर टीम को चैंपियन बनाने में देवेंद्र भाटी की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। इसी टीम के चार खिलाड़ी सुजल चारण, आशु सिंह, भरत सिंह और आवेश खान का राजस्थान जूनियर टीम में चयन हुआ है। नीरज चौधरी टीम के प्रशासनिक एवं व्यवस्थागत दायित्वों का समन्वय करेंगे। राजस्थान की टीम राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए तैयारियों में जुटी हुई है। टीम प्रबंधन की ओर से खिलाड़ियों को तकनीकी, शारीरिक और रणनीतिक स्तर पर मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बिहार के खिलाफ शुरुआती मुकाबले को लेकर खिलाड़ियों में उत्साह है और टीम जीत के साथ अभियान शुरू करने के इरादे से मैदान में उतरेगी। देवेंद्र सिंह भाटी के नेतृत्व में बीकानेर के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में टीम के प्रदर्शन के बाद चयनित खिलाड़ियों से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। चारों चयनित खिलाड़ियों ने राज्य प्रतियोगिता में अपने खेल से प्रभावित किया था।

गोगामेडी मेले हेतु राजस्थान से बाहर के श्रद्धालुओं के लिए पहली बार अनारक्षित स्पेशल रेलसेवा का संचालन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। गोगामेडी मेले के अवसर पर राजस्थान में दूसरे राज्यों से आने -जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक कनेक्टिवटी उपलब्ध करवाते हुए पहली बार गोगामेडी - अलीगढ़ - गोगामेडी अंतर रेलवे अनारक्षित स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार गोगामेडी मेले हेतु संचालित यह अंतर रेलवे स्पेशल रेलसेवा राजस्थान राज्य में दूसरे राज्यों से आने -जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक रेल संपर्क उपलब्ध कराएगी। मेला अवधि में यात्रियों की अधिकता को देखते हुए रेलवे द्वारा यह महत्वपूर्ण पहल की गई है। इस अनारक्षित मेला स्पेशल के संचालन से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को बिना अग्रिम आरक्षण के यात्रा की सुविधा प्राप्त होगी। रेलवे की इस पहल से गोगामेडी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान अतिरिक्त सुविधा मिलने की उम्मीद है।

मेला अवधि में विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं, ऐसे में विशेष रेलसेवा शुरू होने से नियमित ट्रेनों पर यात्रियों का दबाव भी कम करने में मदद मिल सकती है। अनारक्षित विशेष रेलसेवा का सबसे बड़ा लाभ उन यात्रियों को मिलेगा, जिन्हें अचानक यात्रा की योजना बनानी पड़ती है या जिनके पास पहले से आरक्षण नहीं होता। श्रद्धालु निर्धारित व्यवस्था के अनुसार टिकट लेकर इस विशेष ट्रेन से यात्रा कर सकेंगे। इससे मेले में आने-जाने वाले यात्रियों के लिए यात्रा अधिक सुगम हो सकेगी। रेलवे की ओर से मेला अवधि में यात्रियों की भीड़ को देखते हुए स्टेशनों पर आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यात्रियों की सुविधा के लिए साफ-सफाई, पेयजल, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन जैसी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने की जरूरत होगी। गोगामेडी मेले में देश के अलग-अलग हिस्सों से श्रद्धालुओं के पहुंचने के कारण इस विशेष रेलसेवा को अंतर रेलवे संपर्क की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इससे राजस्थान और दूसरे राज्यों के बीच धार्मिक पर्यटन से जुड़ी आवाजाही को भी बढ़ावा मिल सकता है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान निर्धारित नियमों का पालन करें और स्टेशन तथा ट्रेन में भीड़ को देखते हुए संयम बनाए रखें। विशेष रेलसेवा के संचालन से मेला अवधि में श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुविधाजनक आवागमन उपलब्ध कराने में मदद मिलने की उम्मीद है।

थिंक राजस्थान

राजस्थान/ प्रादेशिक

राजस्थान सचिवालय सेवा अधिकारी संघ की कमान फिर अभिमन्यु शर्मा के हाथ, लगातार दूसरी बार बने अध्यक्ष

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान सचिवालय सेवा अधिकारी संघ के अध्यक्ष पद पर अभिमन्यु शर्मा लगातार दूसरी बार निर्वाचित हुए हैं। मंगलवार को संपन्न हुए चुनाव में उन्होंने सर्वाधिक मत हासिल कर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी जोगेन्द्र सिंह को हराया। अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में कुल चार प्रत्याशी मैदान में थे। परिणामों में जोगेन्द्र सिंह दूसरे, शिवजीराम जाट तीसरे और पवन शर्मा चौथे स्थान पर रहे। चुनाव अधिकारी कानाराम मीणा ने परिणाम घोषित करने के बाद अभिमन्यु शर्मा को अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई।

लगातार दूसरी बार अध्यक्ष चुने जाने पर अभिमन्यु शर्मा ने सचिवालय सेवा अधिकारियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि वे अधिकारियों के हितों और अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते रहेंगे तथा संघ को और अधिक मजबूत बनाने का प्रयास करेंगे। शर्मा की जीत के बाद सचिवालय सेवा अधिकारियों ने उन्हें बधाई दी और नए कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। निर्वाचन परिणाम सामने आने के बाद संघ के सदस्यों में उत्साह का माहौल रहा। अधिकारियों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि नए कार्यकाल में संघ से जुड़े लंबित विषयों और सेवा संबंधी समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा।

सदस्यों ने कहा कि संघ की मजबूती के लिए सभी अधिकारियों का सहयोग और एकजुटता आवश्यक है। अभिमन्यु शर्मा ने कहा कि पिछले कार्यकाल में अधिकारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को संगठन के माध्यम से सरकार और संबंधित विभागों के समक्ष रखने का प्रयास किया गया।

आगामी कार्यकाल में भी सेवा शर्तों, पदोन्नति, स्थानांतरण और अन्य प्रशासनिक विषयों से संबंधित समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि संघ की भूमिका केवल मांगों को सरकार तक पहुंचाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय और संवाद कायम करना भी जरूरी है। इसके लिए संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों के साथ लगातार चर्चा कर प्राथमिकताएं तय की जाएंगी। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने कहा कि सचिवालय सेवा के अधिकारी प्रशासनिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाते हैं।

डॉ. पवन डारा के नेतृत्व में NICU टीम ने 29 सप्ताह के प्रीमैच्योर शिशु को दी नई जिंदगी

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। एस.पी. मेडिकल कॉलेज एवं पीबीएम अस्पताल की नवजात गहन चिकित्सा इकाई (NICU) में प्रोफेसर डॉ. पवन डारा के नेतृत्व में चिकित्सकीय टीम ने 29 सप्ताह की गर्भावस्था में जन्मे महज 1.20 किलोग्राम वजन के प्रीमैच्योर शिशु को गंभीर परिस्थितियों से बाहर निकालकर नई जिंदगी दी। 7 जुलाई 2026 को जन्मे इस शिशु को उपचार के दौरान कई बार सांस लेने और हृदय की धड़कन रुकने जैसी गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ा। वह करीब 20 दिन वेंटिलेटर पर रहा और गंभीर संक्रमण से भी जूझा। जन्म के समय शिशु को सांस लेने में परेशानी थी, जिसके कारण उसे ऑक्सीजन की सहायता दी गई। शुरुआती दिनों में पीलिया भी हुआ, जिसका उपचार किया गया। मां का दूध जन्म से ही शुरू कर दिया गया और सातवें दिन तक शिशु पूरी तरह मां का दूध लेने लगा। 28 जुलाई को शिशु की हालत अचानक बेहद गंभीर हो गई। उसकी सांस और हृदय की धड़कन रुकने जैसी स्थिति बन गई। इसके बाद भी शिशु को लंबे समय तक वेंटिलेटर की जरूरत रही।

खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्यवाही,दो फर्मों से लिए 6 नमूना

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बयाना। बयाना में खाद्य सुरक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो फर्मों से खाद्य पदार्थों के छह नमूने लिए हैं। टीम ने केडीएम मसाले से मिर्ची सहित तीन नमूने लिए, जबकि गरुण ट्रेडिंग कंपनी से रिफाइंड तेल, वनस्पति घी और दाल के नमूने लिए गए। सभी नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। रिपोर्ट में गड़बड़ी मिलने पर संबंधित फर्म के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और शुद्धता को लेकर खाद्य सुरक्षा विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को बयाना में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने दो फर्मों का निरीक्षण किया। खाद्य सुरक्षा जयपुर और मुख्य चिकित्सा अधिकारी भरतपुर के निर्देश पर हुई कार्रवाई के दौरान केडीएम मसाले से तीन नमूने लिए गए, जिसमें मिर्ची का नमूना भी शामिल है। वहीं गरुण ट्रेडिंग कंपनी से रिफाइंड तेल, वनस्पति घी और दाल के तीन नमूने लिए गए। दोनों फर्मों से लिए गए सभी छह नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। खाद्य सुरक्षा विभाग की इस कार्रवाई के बाद खाद्य कारोबारियों में हड़कंप देखने को मिला।

अजमेर पुलिस का अवैध घुसपैठियों के खिलाफ बड़ा एक्शन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

अजमेर। पुलिस मुख्यालय एवं अजमेर रेंज महानिरीक्षक डॉ. रवि के निर्देशानुसार अवैध रूप से निवास कर रहे बांग्लादेशी नागरिकों एवं अन्य घुसपैठियों की पहचान कर नियमानुसार कार्रवाई के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अजमेर जिला पुलिस की विशेष टास्क फोर्स ने 25वीं कार्रवाई की है।

टीम ने एक पुरुष और एक महिला सहित दो संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को दस्तयाब किया। अभियान के तहत अब तक अजमेर जिले में कुल 59 बांग्लादेशी नागरिकों को दस्तयाब किया जा चुका है। पुलिस अधीक्षक अजमेर हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देशन में अवैध रूप से निवास कर रहे बांग्लादेशी नागरिकों एवं अन्य घुसपैठियों की पहचान और नियमानुसार कार्रवाई के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिला पुलिस एवं सीआईडी जोन अजमेर की संयुक्त विशेष टीम ने मुखबिर तंत्र से सूचना संकलित करने के साथ तकनीकी साधनों एवं उपलब्ध जानकारी के आधार पर अजमेर के विभिन्न संभावित क्षेत्रों में तलाश की। पूछताछ में दोनों ने अपने नाम हलीमा खातून और रबीउल इस्लाम बताए।

अगस्त माह में 478 दवा नमूनों की जांच, 17 नमूने अमानक पाए गए

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने बताया कि राज्य में आमजन को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित औषधियां उपलब्ध कराने के उद्देश्य से औषधि नियंत्रण टीम द्वारा दवाओं की गुणवत्ता की नियमित निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में अगस्त 2026 के दौरान बाजार में उपलब्ध दवाओं के 478 नमूने लेकर उनकी जांच की गई।

इनमें से 17 नमूने अमानक पाए गए। राठौड़ ने बताया कि जांच में बी-कॉम्प्लेक्स टेबलेट्स, कैल्शियम एवं विटामिन डी-3 टेबलेट्स, टेल्मिसार्टन एवं एम्लोडिपिन टेबलेट्स, बिलास्टिन टेबलेट्स, अमॉक्सीसिलिन एवं पोटैशियम क्लावुलेनेट टेबलेट्स, ऑफ्लॉक्सासिन एवं ऑर्निडाजोल टेबलेट्स, ओंडानसेट्रॉन इंजेक्शन, डेक्सामेथासोन इंजेक्शन तथा बुपीवाकेन हाइड्रोक्लोराइड इन डेक्सट्रोज इंजेक्शन (बुपिकैन-हैवी) सहित 17 नमूने अमानक पाए गए।

भाजपा नगर पालिका चुनाव में बेहतर प्रदर्शन के लिए मैदान में, पार्टी की नीतियों को मतदाताओं तक पहुंचाने का आह्वान

एजेंसी, थिंक राजस्थान

श्रीमाधोपुर। नगर पालिका चुनाव के मद्देनजर राजनीतिक दलों की चुनावी गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में वार्ड नंबर 11 से भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी संतरा खोखर पत्नी सीताराम बिजारणियां के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने किया। कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी श्रीमाधोपुर नगर पालिका चुनाव में बोर्ड बनाने के लक्ष्य के साथ चुनाव मैदान में है। उन्होंने पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिलने की उम्मीद जताई। खर्रा ने कहा कि भाजपा सरकार की ओर से कराए गए विकास कार्यों और सरकार की योजनाओं की जानकारी पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा मतदाताओं तक पहुंचाई जाएगी। खर्रा ने कहा कि सरकार की ओर से किए गए विकास कार्यों को लेकर भाजपा जनता के बीच जा रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पार्टी की नीतियों और सरकार की उपलब्धियों के बारे में मतदाताओं को जानकारी देने तथा चुनाव प्रचार के दौरान निर्धारित नियमों एवं दिशा-निर्देशों का पालन करने की बात कही। मंत्री ने भाजपा प्रत्याशी संतरा खोखर सहित पार्टी के अन्य प्रत्याशियों के समर्थन में चुनाव प्रचार करने की बात कही। उन्होंने वार्ड के विकास से जुड़े मुद्दों को लेकर मतदाताओं से बीच जाने की बात कही।

पांच पैकेज्ड खाद्य पदार्थों की बिक्री पर दो माह की पाबंदी - नौ खाद्य प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देश में प्रदेश में संचालित 'शुद्ध आहार–मिलावट पर वार' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावट और असुरक्षित खाद्य पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। अगस्त माह में विभिन्न जिलों से लिए गए खाद्य पदार्थों के नमूनों की जांच में पांच पैकेज्ड खाद्य उत्पाद असुरक्षित पाए गए। इन खाद्य पदार्थों के वितरण, बिक्री और प्रदर्शन पर पूरे प्रदेश में आगामी दो माह के लिए रोक लगा दी गई है। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा आयुक्त अविचल चतुर्वेदी के निर्देशन तथा अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह की निगरानी में यह कार्रवाई की गई। विभाग की ओर से खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए लगातार नमूने लेकर उनकी जांच कराई जा रही है। राज्य जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला की जांच में नंदी ब्रांड का गाय का घी, निर्माता विशाल एंटरप्राइजेज, बालोतरा, बैच/लॉट संख्या 005; रतवाड़ी टी (गोल्डन थार) ब्रांड की चाय, निर्माता श्री सांवरिया इंडस्ट्रीज, रीको, बाड़मेर, बैच संख्या 150726; जी.एस. गोल्ड ब्रांड की लाल मिर्च पाउडर, निर्माता हिमाया फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, हाजिन्का, पंजाब, बैच/लॉट संख्या जी.एस. 31; के.डी.पी. डेयरी-कृष्णा ब्रांड का घी, निर्माता के.डी.पी. फूड इंडस्ट्री, सरनाथ इंडस्ट्रियल एरिया, उत्तर-पश्चिम दिल्ली, बैच संख्या डी.के. 1225 और डी.के. 160326 तथा के.डी. पी. डेयरी-सारस ब्रांड का घी, बैच संख्या डी.एस. 030426 असुरक्षित पाया गया। वहीं, पूर्व में असुरक्षित खाद्य पदार्थों की बिक्री के कारण लाइसेंस निलंबित किए जाने के बावजूद बिना वैध लाइसेंस या रजिस्ट्रेशन के खाद्य कारोबार जारी रखने पर जयपुर के तीन प्रतिष्ठानों के खाद्य लाइसेंस/रजिस्ट्रेशन निरस्त कर दिए गए हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग ने आमजन से अपील की है कि असुरक्षित घोषित किए गए खाद्य पदार्थों की खरीद-बिक्री से बचें। खाद्य सामग्री खरीदते समय उसकी गुणवत्ता, पैकेजिंग, लेबल, ब्रांड, बैच नंबर तथा निर्माण एवं वैधता संबंधी जानकारी अवश्य जांचें। किसी भी खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता को लेकर संदेह होने पर संबंधित खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को इसकी सूचना दें।

क्रिप्टोकरंसी और हवाला की आड़ में चल रहे अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी रैकेट का पर्दाफाश

एजेंसी, थिंक राजस्थान

ब्यावर। महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार साइबर ठगी के लिए बैंक खातों का दुरुपयोग करने वाले गिरोह के खिलाफ ब्यावर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

प्रारंभिक जांच में आरोपियों के तार विदेश में बैठे साइबर ठगों के गिरोह से जुड़े होने की जानकारी सामने आई है। आरोपी ई-मित्र संचालकों और पेट्रोल पंप संचालकों को निशाना बनाकर उनके खातों में साइबर ठगी की रकम डलवाते और कमीशन काटकर नकदी ले जाते थे। बाद में इस नकदी से क्रिप्टोकरेंसी खरीदकर विदेश में बैठे साइबर ठगों तक पहुंचाई जाती थी।

अभियान में जिला विशेष टीम, थाना जवाजा एवं साइबर सेल की संयुक्त टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया।

राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण की बैठक-10 सितम्बर से 10 अक्टूबर तक चलेगा विशेष जागरूकता अभियान

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य एवं राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण (एसएमएचए) की अध्यक्ष गायत्री राठौड़ की अध्यक्षता में बुधवार को स्वास्थ्य भवन में एसएमएचए की दूसरी समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करने, आत्महत्या की रोकथाम तथा मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों की निगरानी और पंजीकरण व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण उठाये जाने वाले कदमों पर चर्चा की गई। राठौड़ ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य भी स्वास्थ्य व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। सरकार का प्रयास है कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी सेवाएं लोगों को आसानी से उपलब्ध हों और जरूरतमंद व्यक्ति को समय पर परामर्श, उपचार और सहयोग मिल सके। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ संबंधित विभागों, विशेषज्ञों, शैक्षणिक संस्थानों और स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से काम किया जाएगा। बैठक में संभाग स्तर पर डिस्ट्रिक्ट मेंटल हेल्थ रिव्यू बोर्ड्स (डीएमएचआरबी) के गठन के प्रस्ताव पर चर्चा की गई। इन बोर्ड्स में न्यायिक अधिकारी, जिला प्रशासन के प्रतिनिधि, मनोचिकित्सक एवं अन्य चिकित्सा विशेषज्ञों के साथ मानसिक बीमारी से प्रभावित व्यक्तियों, उनके देखभालकर्ताओं अथवा एनजीओ प्रतिनिधियों को शामिल करने का प्रावधान है। इससे मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी और संबंधित मामलों के समाधान की व्यवस्था मजबूत मिल सकेगी। प्रदेश के नशा मुक्ति केंद्रों को एसएमएचए के तहत पंजीकृत करने की प्रक्रिया शुरू करने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। केंद्रीय मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण की अधिसूचना के अनुसार नशा मुक्ति केंद्रों को मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों की श्रेणी में शामिल किया गया है। इसके साथ ही मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों के प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन के नवीनीकरण और निर्धारित मानकों के अनुरूप स्थायी पंजीकरण की प्रक्रिया को भी आगे बढ़ाया जाएगा।

प्रिंस हॉस्पिटल में एडवांस्ड कार्डियो-न्यूरो इंटरवेंशनल कैथ लैब शुरू, हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक के गंभीर मरीजों को अब सीकर में ही मिलेगा उन्नत उपचार

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सीकर। जयपुर रोड स्थित प्रिंस मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में एडवांस्ड कार्डियोलॉजी एवं न्यूरो इंटरवेंशनल कैथ लैब 'एज़ुरिऑन 7सी20' का शुभारंभ किया गया। इस दौरान सीकर सांसद अमराराम, विधायक राजेंद्र पारीक, पूर्व सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती, पूर्व विधायक रतनलाल जलधारी एवं वरिष्ठ सर्जन डॉ. जी.एल. राठी ने फीता काटकर एवं विधिवत रूप से कैथ लैब का उद्घाटन किया। उद्घाटन के दौरान अतिथियों ने अत्याधुनिक कैथ लैब का अवलोकन किया और यहां उपलब्ध सुविधाओं एवं चिकित्सा तकनीक की जानकारी ली। इस मौके पर अतिथियों ने प्रिंस हॉस्पिटल प्रबंधन एवं चिकित्सकों की टीम को क्षेत्र में अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस तरह की सुविधा शुरू होने से हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक जैसे गंभीर मामलों में मरीजों को समय पर उपचार मिल सकेगा। इस अत्याधुनिक कैथ लैब के शुरू होने से हार्ट अटैक एवं ब्रेन स्ट्रोक के गंभीर मरीजों को तत्काल उन्नत इंटरवेंशनल उपचार उपलब्ध हो सकेगा। प्रबंधन के अनुसार, इस तरह की एडवांस्ड कार्डियो-न्यूरो इंटरवेंशनल कैथ लैब की सुविधा बड़े शहरों के चुनिंदा अस्पतालों में ही उपलब्ध है।

वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन के लिए 7,000 से अधिक रजिस्ट्रेशन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

उदयपुर। देश की सबसे बड़ी और दुनिया की अग्रणी एकीकृत जिंक उत्पादक कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने उदयपुर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन के तीसरे संस्करण की महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। इस अवसर पर कंपनी ने विशेष रूप से तैयार किया गया जिंक फिनिशर मेडल भी लॉन्च किया। 6 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली इस एआईएमएस प्रमाणित मैराथन के लिए अब तक 7 हजार से अधिक पंजीकरण हो चुके हैं और यह क्रम अभी भी लगातार जारी है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि इस वर्ष मैराथन की विभिन्न प्रतिस्पर्धी श्रेणियों में 3.5 लाख रुपये से अधिक की पुरस्कार राशि दी जाएगी। इसके साथ ही दौड़ पूरी करने वाले सभी प्रतिभागियों को विशेष रूप से डिजाइन किया गया जिंक फिनिशर मेडल प्रदान किया जाएगा। मैराथन के फिनिशर मेडल की पहचान हमेशा से जिंक सिटी उदयपुर और क्षेत्र की समृद्ध खनन विरासत से जुड़ी रही है। यह आयोजन उदयपुर की प्राकृतिक सुंदरता को हजारों धावकों के उत्साह और ऊर्जा से जोड़ता है।

मनोरंजन समाचार

'दायरा' के मलयालम वर्जन में करीना कपूर खान की 'अजूनी' को अपनी आवाज़ देंगी पार्वती थिरुवोथु!

पार्वती थिरुवोथु अब एक्टिंग के बाद अपनी आवाज का जादू भी दिखाने के लिए तैयार हैं। एक्ट्रेस 'दायरा' के मलयालम वर्जन में करीना कपूर खान के किरदार 'अजूनी' को अपनी आवाज देंगी। यह कोलैबोरेशन पार्वती के लिए खास है, क्योंकि इसी के साथ वह वॉइस एक्टिंग की दुनिया में अपना पहला कदम रखने जा रही हैं। सच्ची घटनाओं से प्रेरित 'दायरा' को नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्ममेकर मेघना गुलजार ने डायरेक्ट किया है। फिल्म की कहानी और स्क्रीनप्ले यश केसवानी, सीमा अग्रवाल और मेघना गुलजार ने मिलकर लिखा है। फिल्म में करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन लीड रोल्स में हैं और 'दायरा' 18 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। पार्वती के लिए यह मौका इसलिए भी खास है क्योंकि लंबे समय से वह वॉइस एक्टिंग करने का सपना देख रही थीं। अपने करियर में हमेशा लेयर्ड और चैलेंजिंग किरदारों को चुनने वाली पार्वती अब अपनी खास आवाज और परफॉर्मेंस की संवेदनशीलता के साथ 'अजूनी' को एक नया रंग देंगी। साथ ही, वह करीना कपूर खान की ओरिजिनल परफॉर्मेंस की आत्मा को भी बरकरार रखेंगी। लेकिन मेरे लिए यह बेहद खूबसूरत सरप्राइज था कि मेरी इस जर्नी की शुरुआत करीना के लिए 'अजूनी' का किरदार निभाने से हो रही है। और इसमें सबसे खास बात यह है कि यह मेघना गुलजार की फिल्म है और ऐसी फिल्म है जो देखने के बाद लंबे समय तक हमारे साथ रहती है। एक किरदार के तौर पर भी यह बेहद इम्पैक्टफुल काम है।"

इस किताब को पढ़कर बदला राशि खन्ना का नजरिया, बोली- ये किताब थेरेपी जैसी लगी

अभिनेत्री राशि खन्ना धीरे धीरे अब हिंदी सिनेमा में अपनी धाक जमाकर रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने हाल ही में 'द मिडनाइट लाइब्रेरी' पढ़ी, जिसने उनके नजरिए को बदलकर रख दिया है। अभिनेत्री राशि खन्ना ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की, जिसमें वे 'द मिडनाइट लाइब्रेरी' पढ़ती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस किताब ने उनके जीवन में थेरेपी की तरह काम किया है। तस्वीरें पोस्ट कर लिखा, "'द मिडनाइट लाइब्रेरी-मैट हेग की किताब'। ये किताब मुझे एक थेरेपी की तरह लगी, जिसके बारे में मुझे पता ही नहीं था कि मुझे इसकी जरूरत है।" अभिनेत्री ने बताया कि इस किताब ने उनके जीवन को उन पहलुओं पर सोचने पर मजबूर किया है, जिसके बारे में उन्होंने कभी सोचा ही नहीं था। उन्होंने लिखा, "इसने मुझे सोचने पर मजबूर किया कि हम कितनी आसानी से उन जिंदगियों को अच्छा समझ लेते हैं जो हम जी सकते थे और उन फैसलों पर पछताते हैं जो हमने नहीं लिए, बिना ये जाने कि क्या वो जिंदगियां सच में बेहतर होतीं। अभिनेत्री ने आखिरी में लिखा, "हमें सिर्फ एक ही जिंदगी मिलती है और हम इसे अपने फैसलों से बनाते रहते हैं और शायद जिंदगी का मतलब ये सोचना नहीं है कि हम कौन बन सकते थे, बल्कि उस इंसान को पूरी तरह से जीना है जो हम बन रहे हैं।" 'द मिडनाइट लाइब्रेरी', ब्रिटिश लेखक मैट हेग का एक अत्यंत लोकप्रिय और विश्व स्तर पर प्रशंसित उपन्यास है, जो अगस्त 2020 में प्रकाशित हुआ था। यह पुस्तक जीवन के अर्थ, पछतावे और उम्मीद पर आधारित है। इस पुस्तक को वर्ष 2020 का गुडरीड्स च्वाइस अवॉर्ड (फिक्शन) मिला था। अभिनेत्री राशि खन्ना की बात करें, वह हाल ही में वेब सीरीज 'लुक्खे' में नजर आई थी। राशि खन्ना ने इस सीरीज में 'इंस्पेक्टर गुरबानी कौर' का दमदार पुलिसवाला किरदार निभाया है।

'मिर्जापुर' की गोलू और श्वेता त्रिपाठी में क्या है खास समानता? एक्ट्रेस ने खुद किया खुलासा

एक्ट्रेस श्वेता त्रिपाठी इन दिनों अपनी चर्चित फिल्म 'मिर्जापुरः द फिल्म' को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म में एक बार फिर वह गोलू गुप्ता के अपने पसंदीदा किरदार में नजर आने वाली हैं। गोलू का किरदार श्वेता के करियर के सबसे चर्चित किरदारों में से एक रहा है। अब एक्ट्रेस ने बताया है कि गोलू और उनमें सबसे बड़ी समानता किताबों के प्रति प्यार है, इसलिए जब उन्हें गोलू के किरदार में किताबों से लगाव को समझाने का सीन किया, तो इसके लिए उन्हें अलग से तैयारी या रिसर्च करने की जरूरत नहीं पड़ी। श्वेता ने कहा, ''हर कलाकार की इच्छा होती है कि उसे कभी ऐसा किरदार मिले, जिसमें उसके व्यक्तित्व का कोई हिस्सा पहले से मौजूद हो।

अक्षरा सिंह ने आम्रपाली दुबे के बयान पर तोड़ी चुप्पी, बोलीं- 'किसी की निजी गरिमा का हिसाब देने नहीं बैठी हूं'

पटना। भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह एक बार फिर आम्रपाली दुबे के साथ अपने पुराने रिश्ते और पवन सिंह से जुड़े विवाद को लेकर चर्चा में हैं। आम्रपाली दुबे ने हाल ही में शो 'भोजपुरी बवाल' में दावा किया था कि जब अक्षरा के मुश्किल दौर में इंडस्ट्री का एक बड़ा हिस्सा उनसे दूरी बना रहा था, तब उन्होंने खुलकर उनका साथ दिया था। आम्रपाली ने कहा कि अगर अक्षरा के साथ खड़े होने की वजह से पवन सिंह उनसे नाराज होते या उनके साथ काम नहीं करना चाहते, तो उन्हें इसकी परवाह नहीं थी। अब अक्षरा सिंह ने आम्रपाली के इन बयानों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि वह किसी की मदद या अपने रिश्तों का हिसाब लेकर मीडिया के सामने नहीं बैठना चाहतीं। यह बहुत पुरानी बात है और अब इसे बार-बार सामने लाने की जरूरत नहीं है। अक्षरा ने कहा, ''मैं इस बारे में कोई लिस्ट लेकर नहीं बैठी हूं कि मीडिया में आकर यह बताऊं कि मैंने क्या किया, किसने क्या किया या उसने क्या किया। हर इंसान की गरिमा होती है और मुझे

लगता है कि हमें इसे मनोरंजन का साधन नहीं बनाना चाहिए। मैं इस बारे में बार-बार क्या ही बोलूं, यह तो बहुत पुरानी बात हो चुकी है। मुझे इन सब बातों में हंसी आती है। अब यह बात नहीं निकलनी चाहिए। इस बात को जमाना हो गया है।'' अक्षरा ने खास तौर पर आम्रपाली के उस बयान पर भी बात की, जिसमें उन्होंने कहा था कि अक्षरा ने बाहर आकर यह कहा कि इंडस्ट्री में किसी ने उनका साथ नहीं दिया, जबकि वह मुश्किल समय में उनके साथ थीं। अक्षरा ने कहा, ''आम्रपाली को मेरी किसी बात से तकलीफ हुई थी, तो उन्हें सीधे फोन करके पूछना चाहिए था। अगर किसी बात को लेकर गलतफहमी थी, तो दोनों के बीच बातचीत से उसे साफ किया जा सकता था। अब वह किसी एक बात को लेकर रो रही हैं। मुझे इस बारे में इतनी जानकारी नहीं है कि वे वास्तव में किस बात को लेकर रो रही हैं। मुझे अभी तक यह भी समझ में नहीं आया है कि आखिर क्या बात हुई है?'' इस पूरे मामले की शुरुआत आम्रपाली दुबे के 'भोजपुरी बवाल' में दिए बयान से हुई। शो में होस्ट शुभंकर मिश्रा ने उनसे सवाल किया था कि उन पर आरोप है कि उन्होंने अक्षरा को छोटी बहन माना, उनके साथ तस्वीरें शेयर कीं, लेकिन जब अक्षरा मुश्किल दौर से गुजर रही थीं, तब वह उनके साथ खड़ी नहीं हुईं। इसके जवाब में आम्रपाली ने कहा था कि उन्होंने उस समय अक्षरा का साथ दिया था, जब इंडस्ट्री में यह चर्चा थी कि अक्षरा के साथ नजर आने पर पवन सिंह उनके साथ काम करना बंद कर देंगे। इसके बावजूद उन्होंने अक्षरा के साथ खड़ा होना चुना। उस दौर में जब लोग अक्षरा के साथ तस्वीरें तक खिंचवाने से बच रहे थे, तब मैं उनके साथ खड़ी थी। पवन सिंह के नाराज होने की भी मैंने परवाह नहीं की। जब अक्षरा ने बाद में कहा कि इंडस्ट्री में किसी ने उनका साथ नहीं दिया, तो मुझे बहुत दुख हुआ। अक्षरा को मैंने छोटी बहन दिल से माना था और उनकी बातों ने मुझे चोट पहुंचाई।

लंदन के शो में हाई हील्स नहीं पहनेंगी अमेरिकी एक्ट्रेस एरियाना ग्रांडे, यह वजह बताई

अमेरिकी एक्ट्रेस और सिंगर एरियाना ग्रांडे ने बताया है कि वह लंदन में होने वाले अपने शो में हाई हील्स नहीं पहनेंगी। यह फैसला उन्होंने पैर में 'गहरा कट' लगने के बाद लिया है। 33 साल की एक्ट्रेस ने फैंस को बताया कि लंदन के ओ2 एरीना में होने वाले अपने कॉन्सर्ट के लिए वह आरामदायक जूते पहनेंगी, क्योंकि वह मंगलवार को इसी जगह पर अपनी 'इटर्नल सनशाइन टूर' का आखिरी परफॉर्मेंस देने की तैयारी कर रही हैं। सिंगर ने बताया कि उन्हें चोट लगी है, जिसकी वजह से उन्हें एक पैर पर वजन डालने में दिक्कत हो रही है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, "मेरे प्यारे फैंस, मैं आपको बताना चाहती हूं कि आज शाम के शो (और शायद कल के शो) के लिए मुझे आरामदायक जूते पहनने होंगे, क्योंकि एक छोटी सी चोट से ठीक होने के लिए मैंने नीचे पट्टी बांध रखी है। यह मोच या मांसपेशियों की कोई चोट नहीं है, बल्कि एक गहरा कट है। इसलिए जब आप मुझे आज रात बिना मेरी सिग्नेचर हील्स के देखें या शायद उस पैर पर वजन डालने में थोड़ी दिक्कत होते हुए देखें, तो समझ जाइएगा कि ऐसा क्यों है।" उन्होंने कहा, "लेकिन प्लीज परेशान न हों। शो जारी रहेगा और मैं ठीक हो रही हूं। मैं आज रात और कल आपके लिए परफॉर्म करने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं (भले ही मैं आम तौर से कुछ इंच छोटी दिखूं)। मैं हमेशा आपसे प्यार करती हूं।" एक्ट्रेस-सिंगर ने टूर खत्म होने के बाद लाइमलाइट से दूर रहने का फैसला किया है। अगस्त में शिकागो के यूनाइटेड सेंटर में एक शो के दौरान उन्होंने दर्शकों से कहा, "क्या हम आज रात थोड़ी सच्ची बात कर सकते हैं? कल जो घोषणा की गई थी, वह कोई जल्दबाजी में या बिना सोचे-समझे लिया गया फैसला नहीं था। यह कुछ ऐसा था जिसकी मैंने योजना बनाई थी। यह सोच-समझकर लिया गया फैसला था। यह एक सशक्त बनाने वाला फैसला था। मैंने इसे चुपचाप बहुत पहले ही ले लिया था।" उन्होंने कहा, "बाहर चाहे कितनी भी बातें हों, कोई भी चीज मेरी सच्चाई को बदल नहीं सकती या मेरे लिए उस प्यार से ज्यादा असली नहीं हो सकती जो हम शेयर करते हैं।" एरियाना ने अपने प्रशंसकों को यह भी भरोसा दिलाया कि चोट के बावजूद वह अपने निर्धारित कार्यक्रम में बदलाव नहीं करेंगी। उनके लिए मंच पर प्रस्तुति देना महत्वपूर्ण है और वह अपनी स्थिति के अनुसार प्रदर्शन को जारी रखने की कोशिश कर रही हैं। हालांकि, आरामदायक जूते पहनने का फैसला यह दिखाता है कि उन्होंने इस बार फैशन की बजाय चोट से उबरने और पैर को आराम देने को प्राथमिकता दी है। हाई हील्स एरियाना के मंचीय अंदाज का अहम हिस्सा रही हैं। उनके प्रशंसक अक्सर उनके परिधानों और खास तौर पर मंच पर पहनी जाने वाली ऊंची हील्स को उनके प्रदर्शन की पहचान से जोड़ते हैं। ऐसे में बिना हील्स के मंच पर नजर आना उनके लिए थोड़ा अलग अनुभव होगा। खुद एरियाना ने भी मजाकिया अंदाज में कहा कि इस वजह से वह सामान्य से कुछ इंच छोटी दिखाई दे सकती हैं। चोट के बावजूद उनका प्रशंसकों से सीधे संवाद करना भी चर्चा में रहा। उन्होंने अपनी स्थिति को स्पष्ट करते हुए लोगों से परेशान न होने की अपील की और बताया कि वह धीरे-धीरे ठीक हो रही हैं। इससे उनके प्रशंसकों को उनके स्वास्थ्य को लेकर स्थिति समझने में मदद मिली और कार्यक्रम को लेकर बनी किसी भी चिंता को कम किया। टूर के समापन के बाद कुछ समय के लिए सार्वजनिक गतिविधियों से दूरी बनाने का एरियाना का फैसला भी उनके प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। उन्होंने अपने हालिया संबोधन में साफ किया कि यह निर्णय अचानक नहीं लिया गया, बल्कि काफी समय से सोच-विचार के बाद उन्होंने इसे तय किया था। एरियाना ने अपने प्रशंसकों के साथ साझा किए गए रिश्ते और उनके समर्थन को लेकर भी भावुकता व्यक्त की। उन्होंने संकेत दिया कि बाहरी चर्चाओं और अटकलों के बावजूद अपने प्रशंसकों के साथ उनका जुड़ाव उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण है। अब लंदन में होने वाली उनकी अंतिम प्रस्तुतियों पर प्रशंसकों की नजर है।

हनुमान अंश के निर्देशक विशाल चतुर्वेदी ने निभाया वादा, फिल्म के सीक्वल पर शुरू किया काम

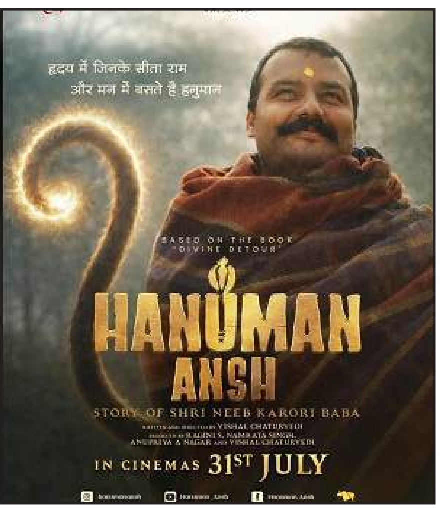

बॉक्स ऑफिस पर अप्रत्याशित सफलता हासिल करने वाली फिल्म 'हनुमान अंश' अब अपने अगले अध्याय की ओर बढ़ रही है। 7 अगस्त को रिलीज हुई इस आध्यात्मिक फिल्म ने शुरुआती दिनों में धीमी शुरुआत भले ही की थी, लेकिन सकारात्मक वर्ड ऑफ माउथ के दम पर फिल्म ने ऐसा उछाल लिया कि ट्रेड और इंडस्ट्री दोनों हैरान रह गए। फिलहाल अब तक फिल्म लगभग 50 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर चुकी है और इसकी कमाई का सिलसिला जारी है। हालांकि फिल्म की सफलता के बीच दर्शकों का ध्यान अब इसके क्लाइमैक्स की ओर ज्यादा है, जहां मेकर्स ने साफ संकेत दिया है कि कहानी अभी खत्म नहीं हुई है। फिल्म के अंत में दिखाई गई स्लेट में उल्लेख किया गया है कि नीम करौली बाबा की यात्रा और उनके जीवन की कहानी आगे भी जारी रहेगी। ऐसे में दर्शकों के बीच सीक्वल को लेकर बढ़ी उत्सुकता, आनंद में बदल चुकी है क्योंकि वादे के मुताबिक फिल्म के लेखक-निर्देशक विशाल चतुर्वेदी ने इसके सीक्वल पर काम शुरू कर दिया है। जी हाँ, आगरा के एक मल्टीप्लेक्स में दर्शकों से मुलाकात के दौरान यह बात खुद 'हनुमान अंश' के लेखक-निर्देशक विशाल चतुर्वेदी ने कही कि फिल्म के दूसरे भाग पर काम शुरू हो चुका है।

'पद्मावत' के जौहर सीन से लेकर हिजाब विवाद तक, जब-जब अपने बयानों से विवादों में घिरीं स्वरा भास्कर

स्वरा भास्कर भारतीय सिनेमा की उन अभिनेत्रियों में शुमार हैं, जो अपने एक्टिंग से ज्यादा बयानों की वजह से अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। इस बार भी अभिनेत्री एक विवाद में घिरी हुई हैं। फिल्म 'पद्मावत' के जौहर सीन पर दिए गए उनके बयान के बाद सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा है। यूजर्स से लेकर कई वर्गों तक से उन्हें आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, यह कोई पहला मौका नहीं है जब अभिनेत्री अपने बयानों को लेकर विवादों में आई हैं, इससे पहले भी कई मौकों पर उनके बयानों ने सोशल मीडिया पर तहलका मचाया है। आइए देखते हैं किन-किन मौकों पर ऐसा हुआ है। फिल्म 'पद्मावत' में जौहर सीनः 31 अगस्त को दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में हुई महिला, जीवन स्वतंत्रता कार्यक्रम के दौरान स्वरा भास्कर ने पद्मावत के जौहर सीन पर बात करते हुए कहा कि इस सीन से रेप सर्वाइवर्स के लिए गलत मैसेज जा सकता है। उन्होंने कहा था कि अगर वह एक रेप सर्वाइवर होती, तो फिल्म का क्लाइमैक्स देखकर मुझे डरपोक जैसा महसूस होता कि मैंने अपनी इज्जत बचाने के लिए सुसाइड नहीं किया। क्या हम अपने सर्वाइवर्स को यही बताना चाहते हैं कि वे जीने के लायक नहीं हैं। एक इज्जतदार औरत खुद को मार लेती है, क्या हम यह बताना चाहते हैं कि रेप एक औरत की जिंदगी का अंत है? यह सीन बहुत प्रॉब्लम वाला था। वीडियो के वायरल होने के बाद स्वरा भास्कर ने एक और वीडियो पोस्ट किया, जिसके जरिए उन्होंने कहा कि उनकी बातों को तोड़-मरोड़कर दिखाया गया है। उनके कहने का मतलब यह नहीं था कि जौहर करने वाली महिलाएं कायर थीं। द्रौपदी का कथनः जनवरी 2022 में उडुपी के एक सरकारी

प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज में हिजाब पहनने वाली छात्राओं को कक्षाओं में प्रवेश देने से मना कर दिया गया। फरवरी 2022 में अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने कर्नाटक के हिजाब विवाद और उस पर देश के राजनेताओं व प्रशासन की चुप्पी की तुलना महाभारत की सभा से की थी। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा था कि महाभारत में द्रौपदी के जबरन कपड़े उतारे गए थे और सभा में बैठे जिम्मेदार, शक्तिशाली, कानून बनाने वाले देखते रहे।

सार समाचार

नेपाली सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर मलबे से लोगों को रेस्क्यू करने में जुटी भारतीय फौज

नेपाल में मरने वालों का आंकड़ा हर दिन, हर घंटे बढ़ रहा है। अब तक 1 हजार से ज्यादा लोगों के मौत की पुष्टि हो चुकी है। जान बचाने के लिए 20 हजार जवान और 20 से ज्यादा हेलीकॉप्टर्स ऑपरेशन में लगे हुए है। नेपाल की फौज के साथ इंडियन आर्मी के जवान भी जुटे हुए हैं। लेकिन अब भी 5 हजार से ज्यादा लोग नेपाल में लापता हैं। लापता लोग कीचड़ में दबे हैं या मलबे में फंसे हैं, किसी को कुछ पता नहीं है। उधर, नेपाल ने अपनी पूरी ताकत रेस्क्यू ऑपरेशन में लगा दी है। आर्मी, पुलिस और सशस्त्र बल सबको रेस्क्यू के काम में लगाया गया है। भारतीय सेना भी इसमें मदद कर रही है। इंडियन आर्मी, टनल रेस्क्यू ऑपरेशन को भी संभाल रही है और आर्मी नेपाल को बेली ब्रिज की सप्लाई भी कर रही है। हिंदुस्तान अबतक 4 खेपों में नेपाल को 68.5 टन से ज्यादा की सहायता भेज चुका है। काठमांडू में प्रवक्ता और पब्लिक डिप्लोमेसी डिवीजन के प्रमुख लोक बहादुर छेत्री ने कहा कि जमीन के नीचे हाई रिस्क ऑपरेशन को संभालने के लिए टारगेटेड इंटरनेशनल टेक्निकल एक्सपर्टीज का इस्तेमाल किया जा रहा है। चिलिमे और लांगटांग हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट साइटों पर नेपाल की फौज के साथ मिलकर भारतीय सैनिक काम कर रहे हैं। यहां 24 मेंबर्स वाली भारतीय टनल रेस्क्यू टीम जुटी हुई है, जो दो यूनिट में काम कर रही है। गौरतलब है कि नेपाल के पास बड़े पैमाने पर शवों को सुरक्षित रखने के लिए 'फ्रीजर यूनिट्स' और तत्काल 'डीएनए टेस्टिंग किट्स' की कमी है। अब इंडिया इस काम में नेपाल की मदद कर रहा है।

मां बनने के बाद लौटी थीं नौकरी पर, टाइम्स स्क्वायर में चाकू से हमला; बैंक ऑफ अमेरिका की वीपी की मौत

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के टाइम्स स्क्वायर में हुए एक चाकूबाजी के हमले में बैंक ऑफ अमेरिका की 32 साल की वाइस प्रेसिडेंट एरिन पियाचेंटी की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि एरिन हाल ही में मातृत्व अवकाश से काम पर लौटी थीं। उन्होंने कुछ दिन पहले ही सोशल मीडिया पर अपने नवजात बच्चे और पति के साथ तस्वीर शेयर की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह वेस्ट 42वीं स्ट्रीट और सेवेंथ एवेन्यू के पास से घर जा रही थीं, तभी उन पर चाकू से हमला किया गया। एरिन की मौत पर बैंक ऑफ अमेरिका ने गहरा दुख जताया। बैंक ने अपने बयान में कहा, 'हम अपने सहयोगी के इस दुखद निधन से स्तब्ध और बेहद दुखी हैं।' एरिन पियाचेंटी बैंक ऑफ अमेरिका की बिजनेस सिलेक्शन एंड कॉम्प्लिक्स्ड यूनिट में वाइस प्रेसिडेंट के पद पर काम करती थीं।

रेस्क्यू ऑपरेशन या मजाक? त्रिशूली 3A में 6 दिन से फंसे इंजीनियर की पत्नी का छलका दर्द

नेपाल में भीषण फ्लैश फ्लड के करीब एक सप्ताह बाद भी बाढ़ प्रभावित इलाकों में फंसे हाइड्रोपावर कर्मचारियों के परिजनों की चिंता बढ़ती जा रही है। रासुवा जिले के त्रिशूली-3A हाइड्रोपावर स्टेशन में फंसे एक इंजीनियर की पत्नी ने सरकार के राहत और बचाव अभियान पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि 40 नेपाल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (NEA) कर्मचारी पिछले छह दिनों से परियोजना के अंदर फंसे हैं, लेकिन अब तक प्रभावी बचाव अभियान जमीन पर नजर नहीं आ रहा है। त्रिशूली-3A में फंसे एक इंजीनियर की पत्नी ने कहा, "मेरे पति सहित नेपाल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (NEA) के 40 कर्मचारी त्रिशूली-3A हाइड्रोपावर में फंसे हुए हैं। आज 6 दिन हो गया है। वे सभी छह दिनों से भीतर फंसे हुए हैं। उनकी क्या अवस्था है, हमें कुछ पता नहीं है। अभी तक हमारी यही उम्मीद है कि त्रिशूली-3A को सबसे सेफ पावर प्रोजेक्ट में से एक माना जाता है। इसलिए हमें उम्मीद है कि वे सभी सुरक्षित होंगे। इसी उम्मीद के सहारे हम इधर-उधर भटक रहे हैं। कभी यहां जाते हैं, कभी वहां जाते हैं, लेकिन अभी तक कुछ भी नहीं हो पाया है। मैं दिनभर आर्मी हेडक्वार्टर के बाहर भटकती रहती हूं। मेरे भैया भी फील्ड में पहुंच चुके हैं।" उन्होंने आगे कहा, "मीडिया में खबरें आ रही हैं कि आज चीनी टीम पहुंची, आज भारतीय टीम पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। लेकिन सच्चाई यह है कि आज तक एक जेसीबी तक वहां नहीं पहुंच पाई है।

नेपाल में दिख रहे तबाही के निशान, शवों को वैन में कैसे भर भरकर ले जा रही पुलिस

काठमांडू। नेपाल में आई भयानक बाढ़ में इतने सारे लोग बह गए कि नेपाल के एक जिले में अधिकारियों ने पहचान होने से पहले ही शवों को अस्थायी कब्रों में दफ़नाना शुरू कर दिया है। इस पर आरोप लग रहे हैं कि हिंदू अंतिम संस्कार की परंपराओं को नजरअंदाज किया जा रहा है। दक्षिण-मध्य नेपाल के चितवन जिले में तबाही का मंजर साफ़ दिख रहा था; यहां पहचान के इंतज़ार में लगभग 250 शव रखे थे और उन्हें अस्थायी रूप से दफ़नाने के लिए जल्दबाज़ी में गड्ढे खोदे गए थे। बुधवार को आई भयानक बाढ़ और भूस्खलन में नेपाल और तिब्बत में अबतक 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और 4,000 से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं। बाढ़ के केंद्र से भोटेकोशी नदी इन शवों को सैकड़ों किलोमीटर दूर बहाकर ले आई थी, जिसके बाद चितवन में इन्हें बरामद किया गया। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को लगभग 100 पीड़ितों को अस्थायी रूप से दफ़नाया गया, क्योंकि फोरेंसिक टीमों पर काम का बहुत ज्यादा बोझ था। शवों को ले जा रहे वाहनों का एक काफ़िला घने जंगल वाले इलाके में पहुंचा, जहां एक खुदाई करने वाली मशीन (एक्सकेवेटर) ने लाल मिट्टी में एक चौड़ा गड्ढा खोदा और दफना दिया। लाशों को संभालने का काम देख रहे पुलिस इंस्पेक्टर अनिल थापा ने बताया कि रविवार को संभावित दफ़न-क्रिया से पहले 50 और लाशों के DNA सैंपल लिए जा रहे हैं। थापा ने कहा कि अधिकारी DNA सैंपल सुरक्षित रखते हैं, चेहरे की खास विशेषताओं की तस्वीरें लेते हैं और पहचान से जुड़ी दूसरी जानकारी रिकॉर्ड करते हैं। लाशों को एक रेफरेंस नंबर दिया जाता है ताकि परिवार बाद में उन्हें ले सकें। जब हादसे से बचे लोग हालात से जूझ रहे थे, तो शवों को दफ़नाने के तरीके की आलोचना भी बढ़ गई। कुछ स्थानीय लोगों का कहना था कि मृतकों को अंतिम संस्कार के लिए कई दिनों तक इंतज़ार करना पड़ा और मरने के बाद भी उन्हें सम्मान नहीं मिला। जो परिवार अभी भी अपने लापता रिश्तेदारों का पता लगाने का इंतज़ार कर रहे थे और कुछ जाने-माने लोगों ने सवाल उठाया कि क्या अधिकारियों ने बहुत जल्दबाज़ी में यह कदम उठाया।

दशकों तक झेलनी होगी नेपाल जैसी आपदाएं! जलवायु संकट पर UN की चेतावनी

वॉशिंगटन। क्या नेपाल जैसी आपदाएं और तबाही दुनिया को दशकों तक झेलनी होगी? संयुक्त राष्ट्र (UN) की रिपोर्ट से तो ऐसा ही लगता है। जलवायु परिवर्तन के मोर्चे पर इस नई रिपोर्ट ने दुनिया को बड़ी चेतावनी दी है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) की रिपोर्ट के मुताबिक धरती आने वाले कुछ वर्षों में 1.5 डिग्री सेल्सियस ग्लोबल वार्मिंग की सुरक्षित सीमा को पार कर जाएगी। इसका मतलब है कि दुनिया को आने वाले कई दशकों तक मौसम संबंधी आपदाओं, समुद्र के बढ़ते जलस्तर, प्रजातियों के विलुप्त होने और बर्फ तथा ग्लेशियरों के पिघलने जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। UNEP की यह रिपोर्ट 2015 के पेरिस जलवायु समझौते के उस टारगेट के संदर्भ में सामने आई है, जिसमें वैश्विक तापमान वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक स्तर की तुलना में 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य रखा गया था। वैज्ञानिकों के मुताबिक दुनिया पहले ही लगभग 1.4 डिग्री सेल्सियस गर्म हो चुकी है। इस रिपोर्ट में पहली बार UN ने स्पष्ट रूप से माना है कि 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा को बनाए रखना अब संभव नहीं दिख रहा है। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने की कोशिशें खत्म कर दी जाएं। वैज्ञानिकों और UN के अधिकारियों का कहना है कि तापमान को पहले सीमित लेवल तक बढ़ने देना और फिर उसे धीरे-धीरे नीचे लाना अब नई रणनीति होनी चाहिए। UNEP के मुताबिक वैश्विक तापमान इस सदी के मध्य के आसपास लगभग 1.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

नेपाल में बाढ़ से हुए नुकसान का शुरुआती आंकड़ा सामने आया, 7570 घर तबाह, करीब 30 अरब की सड़क संरचना ध्वस्त

काठमांडू। नेपाल के भोटेकोशी और त्रिशूली नदी में आई विनाशकारी बाढ़ से नेपाल के पांच जिलों में 7,570 निजी घरों के क्षतिग्रस्त होने का प्रारंभिक अनुमान किया गया है। शहरी विकास तथा भवन निर्माण विभाग द्वारा जुटाए गए विवरण के अनुसार रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, गोरखा और चितवन में बड़ी संख्या में निजी घर बाढ़ की चपेट में आए हैं। विभाग के अनुसार 1,253 घरों का पूरी तरह नामोनिशान मिट गया है, जबकि 6,317 घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं। इनमें से अधिकांश घरों की स्थिति ऐसी है कि उन्हें तत्काल मरम्मत कर रहने योग्य नहीं बनाया जा सकता और उनका पुनर्निर्माण करना पड़ेगा। विभाग की तरफ से जारी आंकड़ों में बताया गया है कि बाढ़ से पांच जिलों में 7,580 निजी घरों के क्षतिग्रस्त होने का प्रारंभिक विवरण प्राप्त हुआ है। सरकारी बयान के मुताबिक विभाग की टीम ने प्रभावित क्षेत्रों में जाकर नुकसान का आंकलन किया है। निजी घरों को ही करीब 17 अरब 31 करोड़ नेपाली रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। बाढ़ से सरकारी निकायों के 45 भवन भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। इन भवनों में करीब साढ़े चार अरब नेपाली रुपये के नुकसान का प्रारंभिक अनुमान है। विभाग ने बताया कि घरों और सरकारी संरचनाओं को हुए नुकसान का विस्तृत आंकलन अभी जारी है। आंकड़ों के अनुसार, रसुवा में कुल 1779 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं और करीब 5 अरब 7 करोड़ 98 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। रसुवा जिले के गोसाईकुंड में 1,043 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं जिनसे 2 अरब 49 करोड़ 86 लाख रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। ऐसे ही कालिका में 112 घर बर्बाद हो चुके हैं जिससे 18 करोड़ 48 लाख रुपये के नुकसान का अंदाजा लगाया गया है। रसुवा जिले के ही आमाछोदिङ्मो में 57 घर — 9 करोड़ 40 लाख रुपये और उत्तरगया में 567 घरों का नामोनिशान मिट गया है जिससे 2 अरब 30 करोड़ 23 लाख रुपये के नुकसान होने की जानकारी दी गई है। नुवाकोट में 3,977 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं और कुल नुकसान 9 अरब 22 करोड़ 62 लाख रुपये आंका गया है। इस जिले के बेलकोटगढ़ी में 212 घर तबाह हुए हैं जिससे 60 करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। इसी तरह विदुर नगरपालिका में 3,026 घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। यहां 7 अरब 17 करोड़ 58 लाख रुपये के नुकसान होने की बात कही गई है। नुवाकोट जिले के किस्पाङ में 696 घर पानी में बह गए जिससे 1 अरब 30 करोड़ 24 लाख रुपये की क्षति हुई है।

लाइपजिग ड्रोन हमले पर ईयू का सख्त रुख, रूसी राजदूतों को किया तलब

लंदन। यूरोपीय संघ (ईयू) ने जर्मनी के लाइपजिग एयरपोर्ट पर हुए कथित ड्रोन हमले के मामले में रूस के राजदूतों को तलब किया है। ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलास ने बुधवार को आयरलैंड के किकेलो में विदेश मंत्रियों की अनौपचारिक बैठक से पहले यह जानकारी दी। काजा कैलास ने कहा, "हम पहले ही रूसी राजदूतों को तलब कर चुके हैं। कई सदस्य देशों ने भी यही कदम उठाया है। अब हम इस पर चर्चा करेंगे कि आगे और क्या कार्रवाई की जा सकती है।" यह बयान अगस्त की शुरुआत में लाइपजिग एयरपोर्ट पर मिले विस्फोटक से लैस एक ड्रोन की घटना के बाद आया है। जांच के अनुसार ड्रोन का डेटोनेटर खराब होने से बड़ा हादसा टल गया। इसके कुछ समय बाद डीएचएल का एक कार्गो विमान उड़ान के दौरान एक उड़ती वस्तु से टकरा गया, जिसके बाद उसे सुरक्षित रूप से हैनोवर एयरपोर्ट की ओर मोड़ दिया गया। जांच में विमान पर ड्रोन हमले जैसे नुकसान के निशान मिले। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, पिछले सप्ताह एयरपोर्ट के आसपास एक तीसरा ड्रोन और सैन्य-ग्रेड विस्फोटक भी बरामद किए गए, जिन्हें इस घटना से जुड़ा माना जा रहा है। जर्मनी सरकार ने मंगलवार को इस घटना के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराते हुए कई जवाबी कदमों की घोषणा की। इनमें बॉन स्थित रूसी महावाणिज्य दूतावास को 18 सितंबर से बंद करना, बर्लिन स्थित रूसी हाउस का अनुबंध समाप्त करना और रूसी राजदूत को तलब करना शामिल है। जर्मनी के गृह मंत्री अलेक्जेंडर डोब्रिंट ने कहा कि सरकार इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि 4 अगस्त को लाइपजिग में हुआ हमला रूस की "हाइब्रिड कार्रवाई" थी। विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल ने बताया कि जर्मनी यूरोपीय संघ के साथ मिलकर रूस पर और कड़े प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहा है। इसमें यात्रा प्रतिबंध, रूसी नागरिकों के प्रवेश नियमों को सख्त करना और नए प्रतिबंध शामिल हो सकते हैं।

अमेरिकी हमलों से निपटने के लिए हम नई रणनीति अपनाएंगे - ईरान

तेहरान। ईरानी सुरक्षा परिषद के सचिव मोहसिन रेजाई ने बुधवार को दावा किया कि अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरान नई रणनीति अपनाएगा। ये नया बयान अमेरिका के मंगलवार रात ईरान पर बरसाए बम के बाद सामने आया है । ईरानी स्टेट मीडिया के अनुसार हमलों में 12 लोग मारे गए जबकि 68 जख्मी हैं। रेजाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में अमेरिका को चेतावनी दी कि तेहरान की नई रणनीति उसकी 'बुनियाद हिला देगी।' उन्होंने लिखा, "ईरान सैन्य कार्रवाई के साथ-साथ कूटनीति और आर्थिक प्रतिबंधों का मुकाबला करने के लिए भी नई रणनीति अपनाएगा।" वहीं ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने भी इमोशनल एक्स पोस्ट में सिरिक पर हुए हमले को युद्ध अपराध बताया। उन्होंने कहा कि बमबारी वहां की गई जहां शादी की रस्म अदा की जा रही थी। बाघेई के अनुसार ये अमेरिका की हताशा का प्रमाण है। उन्होंने आगे अमेरिकी लेखक ओ ब्रायन को कोट किया। लिखा, "अमेरिकी लेखक टिम ओ'ब्रायन ने अपनी किताब 'द थिंग्स दे कैरिड' में लिखा है:जंग की सच्ची कहानी कभी नैतिक नहीं होती... अगर कोई कहानी नैतिक लगे, तो उस पर यकीन न करें।" मंगलवार को ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी आईआरएनए ने दावा किया कि खुजस्तान प्रांत में अमेरिकी मिसाइल हमले में 7 लोगों की मौत हुई और 8 घायल हुए। अमेरिका ने 3 जगहों को निशाना बनाया। ईरान का दावा है कि सिरिक में एक शादी समारोह के दौरान मिसाइल गिराई गई और इसमें 5 की जान गई, इनमें 4 साल का एक बच्चा भी था।

थाईलैंड पहुंचा अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर USS अब्राहम लिंकन, वापस जाने से पहले पटाया में सैनिक उतारेंगे ईरान युद्ध की थकान

मिडिल ईस्ट में रिकॉर्ड 250 से ज्यादा दिन की तैनाती के बाद अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर USS अब्राहम लिंकन वतन वापसी कर रहा है और वह इस बीच आज (बुधवार सुबह) पूर्वी थाईलैंड पहुंच गया है। USS अब्राहम लिंकन को चोनबुरी प्रांत के लैम चाबांग बंदरगाह की ओर बढ़ते देखा गया है। इस जहाज पर करीब 5 हजार सर्विस मेंबर सवार हैं। बता दें कि USS अब्राहम लिंकन जहाज पश्चिम एशिया में ईरान के विरुद्ध अमेरिका की जंग में मदद कर रहा था। इसे समंदर में लगातार 250 दिनों से अधिक वक्त तक तैनात रखा गया, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। हालांकि, USS अब्राहम लिंकन के क्रू की बिगड़ती मेंटल हेल्थ, साफ-सफाई और खाने-पीने के सामान की कमी की खबरों के चलते, USS अब्राहम लिंकन की इतनी लंबी तैनाती पर चिंताएं बढ़ गई थीं। जान लें कि आमतौर पर एशिया में तैनात रहने वाले USS जॉर्ज वॉशिंगटन ने बीते अगस्त में मिडिल ईस्ट में लंबे वक्त से तैनात USS अब्राहम लिंकन की जगह ली है। उम्मीद जताई जा रही है कि अमेरिकी सेना के कई जवान पास के मशहूर बीच टाउन, पटाया घूमने जाएंगे। थाई अफसरों ने बताया कि USS अब्राहम लिंकन का यह पड़ाव अमेरिकी बेस पर लौटने से पहले रिकवरी और आराम के लिए होगा। पटाया के अफसरों ने कहा कि वे USS अब्राहम लिंकन के इस दौर और इससे लोकल इकोनॉमी को मिलने वाले संभावित बढ़ावे का वेलकम करते हैं। अफसरों ने कहा कि वे इस विजिट को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए सिक्योरिटी अरेंजमेंट्स को बढ़ा रहे हैं। यहां की Walking Street रात में लाइटों, क्लब, बार और लाइव म्यूजिक से गुलजार रहती है।

चुपके-चुपके ईरान की ताकत बढ़ा रहा है रूस? सामने आई अमेरिका को परेशान करने वाली खबर

अमेरिका और ईरान में जारी जंग के बीच एक बेहद ही अहम खबर सामने आई है। रूस पर चुपके-चुपके ईरान को बेहद संवेदनशील सैन्य तकनीक गुप्त रूप से देने का आरोप लगा है। फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रूस पिछले कई सालों से ईरान को सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल विकसित करने में मदद कर रहा है। इस गुप्त कार्यक्रम का कोडनेम C430L बताया गया है और इसकी शुरुआत 2023 में हुई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि कार्यक्रम में रूस के अनुभवी मिसाइल एक्सपर्ट शामिल हैं। बता दें कि हाल ही में अमेरिका ने एक बार फिर ईरान पर हमले किए हैं, जिसके बाद क्षेत्र में संघर्ष के फिर से बढ़ने की आशंका है। रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रोग्राम का मकसद ईरान को रैमजेट इंजन तकनीक विकसित करने में मदद करना है। इस तकनीक से क्रूज मिसाइलें आवाज की गति से कई गुना तेज उड़ सकती हैं। लीक हुई रूसी बातचीत, यात्रा रिकॉर्ड और सैन्य पेटेंट के विश्लेषण के आधार पर फाइनेंशियल टाइम्स ने यह रिपोर्ट तैयार की है। रिपोर्ट का दावा है कि अमेरिका और इजरायल के ईरान के खिलाफ संघर्ष के दौरान भी यह कार्यक्रम जारी रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, रैमजेट तकनीक का इस्तेमाल एंटी-शिप यानी जहाज रोधी और जमीन पर हमला करने वाली क्रूज मिसाइलों में किया जा सकता है। सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों की खासियत यह है कि वे बहुत तेज गति से उड़ने के साथ कम ऊंचाई पर भी उड़ सकती हैं। इससे एयर डिफेंस सिस्टम को उन्हें पहचानने और रोकने के लिए कम समय मिलता है। लीक हुई बातचीत से यह भी संकेत मिलता है कि इस कार्यक्रम को लेकर चर्चा इस गर्मी तक जारी थी।

खेल समाचार

अभिषेक शर्मा पर मंडराया खतरा, साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज ने दे दी चुनौती

भारत और अफगानिस्तान के बीच होने वाली तीन टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दिया गया है। इसमें अभिषेक शर्मा का भी नाम है। अभी कुछ दिन पहले तक वे आईसीसी की टी20 रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज हुआ करते थे, लेकिन अब वे वहां से नीचे आ गए हैं। इस बीच साउथ अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस ने भी उन्हें चुनौती दे दी है। अब अभिषेक शर्मा तीसरे नंबर से भी नीचे आ सकते हैं। आईसीसी ने टी20 की जो नई रैंकिंग जारी की है, उसमें डेवाल्ड ब्रेविस ने जबरदस्त छलांग मारी है। अब वे छह स्थानों की छलांग लगाने के बाद सीधे नंबर चार पर पहुंच गए हैं। उधर कभी नंबर एक पर रहे अभिषेक शर्मा ज्यादा रन ना बना पाने के कारण अब नंबर तीन पर आ गए हैं। अभिषेक शर्मा की रेटिंग 819 की है और डेवाल्ड ब्रेविस की रेटिंग 806 की है। यानी दोनों के बीच केवल 14 अंकों का है, जो कभी भी खत्म हो सकता है। साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया के बीच इस वक्त त्रिकोणीय सीरीज चल रही है। जिसके पहले तीन मैचों में ब्रेविस ने कमाल की बल्लेबाजी, जिसका फायदा उन्हें रैंकिंग में देखने के लिए मिल रहा है। इस सीरीज के पहले मैच में ब्रेविस ने 75 रन बनाए और दूसरे में भी नाबाद 75 रनों की पारी खेली।

माइकल हसी ने ठुकराया इंग्लैंड का ऑफर, टेस्ट टीम का बैटिंग कोच बनने से किया इनकार

इंग्लैंड की टेस्ट टीम में नए दौर की शुरुआत से पहले ही बड़ा झटका लगा है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज माइकल हसी ने इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड यानी ECB का वह प्रस्ताव ठुकरा दिया है, जिसमें उन्हें टीम का बैटिंग कोच बनने की जिम्मेदारी देने की पेशकश की गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, इंग्लैंड के नए टेस्ट हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग और ECB ने हसी से इस पद के लिए संपर्क किया था। हसी पहले भी फ्लेमिंग के साथ चेन्नई सुपर किंग्स में काम कर चुके हैं, लेकिन उन्होंने इंग्लैंड के साथ जुड़ने के बजाय क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का प्रस्ताव स्वीकार करने का फैसला किया। द गार्डियन की रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि हसी क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ पार्ट-टाइम कंसल्टेंट की भूमिका निभाएंगे। इस व्यवस्था से उन्हें अपने अन्य पेशेवर काम जारी रखने की पूरी आजादी मिलेगी। हसी द हंड्रेड और दूसरे फ्रेंचाइजी टूर्नामेंटों में कोचिंग के अलावा ऑस्ट्रेलिया में फॉक्स स्पोर्ट्स के लिए कमेंट्री और स्पेशलिस्ट के तौर पर भी काम करते हैं। माइकल हसी का इंग्लैंड क्रिकेट से पुराना नाता रहा है। वह 2022 में ऑस्ट्रेलिया में खेले गए ICC मेन्स T20 वर्ल्ड कप के दौरान इंग्लैंड टीम के साथ पार्ट-टाइम कंसल्टेंट के रूप में जुड़े थे। उस टूर्नामेंट में इंग्लैंड ने फाइनल में पाकिस्तान को हराकर खिताब अपने नाम किया था।

लंदन स्क्वैश क्लासिक: अनाहत और रमित की जीत के साथ शुरुआत, प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश

लंदन। लंदन स्क्वैश क्लासिक में भारत की अनाहत सिंह और रमित टंडन ने जीत के साथ शुरुआत की। दोनों ने सीधे गेम में जीत हासिल करते हुए पीएसए गोल्ड टूर्नामेंट के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जबकि वीर चोटरानी बुधवार को शुरुआती दौर में ही बाहर हो गए। महिलाओं की वर्ल्ड नंबर 20 और मौजूदा जूनियर वर्ल्ड चैंपियन अनाहत ने दिन का सबसे शानदार भारतीय प्रदर्शन किया। उन्होंने वर्ल्ड नंबर 30 खिलाड़ी मिस्र की मरियम मेटवाली को 11-3, 11-2 से मात दी। इस जीत के लिए उन्हें सिर्फ 11 मिनट का समय लगा। इस भारतीय टीनएजर ने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाए रखी और मेटवाली को मैच में जमने का ज्यादा मौका नहीं दिया। पहला गेम तेजी से जीतने के बाद, अनाहत ने दूसरे गेम में भी अपना दबदबा बनाए रखा और 1,44,000 अमेरिकी डॉलर इनामी राशि वाले पीएसए गोल्ड इवेंट के अगले दौर में अपनी जगह सुनिश्चित की। उनकी अगली चुनौती काफी मुश्किल होगी, क्योंकि गुरुवार को होने वाले प्री-क्वार्टर फाइनल में उनका सामना बेल्जियम की वर्ल्ड नंबर 11 नेले गिलिस से होगा। पुरुषों के ड्रॉ में, वर्ल्ड नंबर 42 रमित टंडन ने भी बिना कोई गेम गंवाए अगले दौर में जगह बनाई। उन्होंने 20 मिनट तक चले शुरुआती दौर के मुकाबले में कतर के अब्दुल्ला अल-तमीमी को 11-6, 11-7 से हराया। टंडन ने दोनों गेम में अपना दबदबा बनाए रखा और प्री-क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की, जहां बुधवार को उनका सामना आठवीं वरीयता प्राप्त मोहम्मद एलशोरबागी से होगा। मिस्र में जन्मे एलशोरबागी अब इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करते हैं और भारतीय खिलाड़ी के लिए एक बड़ी चुनौती पेश करेंगे।

रोहित शर्मा के क्रिकेट करियर और वनडे विश्व कप 2027 पर चर्चा, BCCI बड़े फैसले के लिए तैयार

रोहित शर्मा अगले साल होने वाला वनडे विश्व कप खेल पाएंगे कि नहीं, इसको लेकर पिछले काफी वक्त से लगातार चर्चा हो रही है। अब ऐसा लगता है कि बीसीसीआई की ओर से इस मामले को लेकर पटाक्षेप कर दिया जाएगा। दरअसल गुरुवार को बीसीसीआई की एक बड़ी और अहम बैठक होने वाली है। इसमें कई मसलों पर चर्चा होगी। माना जा रहा है कि बैठक में कुछ ऐसे निर्णय लिए जा सकते हैं, जो सभी के लिए चौंकाने वाले होंगे। आने वाले कुछ घंटे भारतीय क्रिकेट के लिए काफी खास होने वाले हैं। बीसीसीआई की एक मीटिंग गुरुवार को मुंबई में होगी। सचिव देवजीत सैकिया इसे बुला रहे हैं, जाहिर है कि वे तो रहेंगे ही। साथ ही चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर, सीईओ चीफ वीवीएस लक्ष्मण और हेड कोच भी इस दौरान मौजूद रहेंगे। इस बीच पता चला है कि टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल के अलावा टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर भी मौजूद रह सकते हैं। टी20 विश्व कप 2026 का खिताब जीतने के बाद आयरलैंड और इंग्लैंड में टीम इंडिया को करारी शिकस्त झेलनी पड़ी थी, इसको लेकर समीक्षा की जाएगी। हो सकता है कि दोनों कप्तान ऑनलाइन मीटिंग में शामिल हों। इस बीच सबसे बड़ी और खास बात ये होगी कि रोहित शर्मा के भविष्य पर फैसला लिया जा सकता है। इसके साथ ही इसी साल के आखिर में होने वाले न्यूजीलैंड दौरे का भी रोडमैप तैयार किया जाएगा। इस दौरान केंद्र में वनडे विश्व कप 2027 तो रहेगा ही। बीच में इस तरह की खबरें सामने आई थीं कि सिलेक्टर्स ने रोहित शर्मा को बता दिया है कि वे वनडे विश्व कप की योजनाओं में शामिल नहीं हैं। कहा तो यहां तक गया था कि इंग्लैंड के लॉर्ड्स में खेला गया वनडे मैच उनका आखिरी इंटरनेशनल मुकाबला होगा, लेकिन इसके बाद तुरंत बाद बीसीसीआई सचिव ने ऐसी किसी भी बात से साफ इन्कार कर दिया था। इस दौरान कुछ अपुष्ट रिपोर्ट्स में ये भी कहा गया था कि बीसीसीआई और सिलेक्शन कमेटी में आपस में बन नहीं रही है। रोहित शर्मा को लेकर बीसीसीआई और सिलेक्शन कमेटी की अलग अलग राय है। अब मुंबई में गुरुवार को होने वाली बैठक के बाद तस्वीर काफी हद तक साफ हो जाएगी कि रोहित शर्मा का करियर कहां तक जाएगा। बैठक में रोहित शर्मा के भविष्य पर चर्चा इसलिए भी अहम मानी जा रही है, क्योंकि 2027 का वनडे विश्व कप अभी दूर है और चयनकर्ताओं के पास टीम के संतुलन तथा नई पीढ़ी को तैयार करने के लिए पर्याप्त समय है। ऐसे में फैसला केवल मौजूदा प्रदर्शन के आधार पर नहीं, बल्कि अगले विश्व कप तक खिलाड़ी की फिटनेस, फॉर्म और टीम की जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जा सकता है। रोहित के अनुभव और बड़े मुकाबलों में प्रदर्शन को देखते हुए उनके समर्थक मानते हैं कि उन्हें विश्व कप तक टीम के साथ बनाए रखना भारतीय टीम के लिए फायदेमंद हो सकता है। दूसरी ओर, चयन समिति के सामने युवा खिलाड़ियों को पर्याप्त अवसर देने और भविष्य की टीम तैयार करने की चुनौती है। यही वजह है कि रोहित को लेकर अंतिम फैसला आसान नहीं माना जा रहा। हालिया दौरों के परिणामों की समीक्षा के दौरान कप्तानी, बल्लेबाजी क्रम और टीम संयोजन पर भी चर्चा होने की संभावना है।

रॉबिन्सन-टंग को मिला शानदार प्रदर्शन का इनाम, पडिक्कल-मानव को भी पहुंचा फायदा

दुबई। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन और जोश टंग को पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन का इनाम आईसीसी की ताजा गेंदबाजों की टेस्ट रैंकिंग में मिला है। पाकिस्तान के खिलाफ पहले दोनों ही टेस्ट मैचों में 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहे रॉबिन्सन का प्रदर्शन लॉर्ड्स टेस्ट में कमाल का रहा था। उन्होंने दोनों पारियों में चार-चार विकेट लिए और मैच में कुल 35 रन देकर आठ विकेट हासिल किए। रॉबिन्सन ने गेंदबाजों की रैंकिंग में छह स्थान की छलांग लगाई है और वह अब पांचवें नंबर पर आ गए हैं। यह उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ चौथी रैंकिंग से बस एक स्थान पीछे है, जो उन्होंने फरवरी 2023 में हासिल की थी। पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज की शुरुआत से अब रॉबिन्सन 22 पायदान की छलांग लगा चुके हैं। टंग ने भी बड़ी बढ़त हासिल की है। मैच में पांच विकेट लेने के बाद वे चार स्थान ऊपर चढ़कर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 13वीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के इस तेज गेंदबाज ने सीरीज के दौरान 20 पायदान की बढ़त हासिल की है। सीरीज गंवाने के बावजूद पाकिस्तान के गेंदबाजों ने भी उल्लेखनीय बढ़त हासिल की है। तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास मैच में 9 विकेट लेने के बाद 10 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 15वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि मोहम्मद अली ने पांच विकेट लेने के बाद 11 स्थानों की छलांग लगाई और 81वें स्थान पर पहुंच गए। बल्लेबाजों में पाकिस्तान के सऊद शकील ने सबसे ज्यादा बढ़त हासिल करने वालों में से एक रहे। दूसरी पारी में उनके 97 रनों की पारी ने उन्हें 15 स्थान ऊपर चढ़ाकर 18वें स्थान पर पहुंचा दिया है, जिससे वे कप्तान बाबर आजम के बाद पाकिस्तान के दूसरे सबसे ऊंची रैंकिंग वाले बल्लेबाज बन गए हैं। हालांकि, बाबर पांच स्थान नीचे खिसककर 15वें स्थान पर आ गए हैं। इंग्लैंड के बल्लेबाज जॉर्डन कॉक्स और डेन लॉरेंस ने भी प्रगति की है। कॉक्स छह स्थान ऊपर चढ़कर 76वें और लॉरेंस 10 स्थान ऊपर चढ़कर 92वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इस ऑलराउंडर ने अपने टेस्ट करियर की शानदार शुरुआत की है और अपने पहले पांच मैचों में 86.57 की औसत से रन बनाए हैं।

किदांबी श्रीकांत ने चाइना मास्टर्स के प्री-क्वार्टर फाइनल में पक्की की जगह, लक्ष्य सेन पहले दौर से ही हुए बाहर

चीन के शेनझेन में चल रहे चाइना मास्टर्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों की काफी मिली-जुली शुरुआत देखने को मिली है, जिसमें किदांबी श्रीकांत ने जहां पहले राउंड में जीत हासिल करने के साथ प्री-क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह को पक्का कर लिया है तो वहीं लक्ष्य सेन को हार का सामना करना पड़ा है। किदांबी श्रीकांत ने चीनी ताइपे के खिलाड़ी ची यू जेन को लगातार दो सेटों में मात देने के साथ अगले राउंड के लिए अपनी जगह को पक्का कर लिया है। वहीं लक्ष्य सेन को चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में कनाडा के विक्टर लाई जो अभी वर्ल्ड रैंकिंग में 9वें नंबर पर है उनके खिलाफ सीधे सेटों में काफी करारी हार का सामना करना पड़ा। चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में किदांबी श्रीकांत का सामना राउंड ऑफ 32 में चीनी ताइपे के खिलाड़ी ची यू जेन से था, जिसमें 35 मिनटों तक चले इस मैच के पहले सेट को किदांबी श्रीकांत ने 21-16 के अंतर से अपने नाम किया था। वहीं इसके बाद दूसरे सेट में भी किदांबी ने अपने दबदबे को बरकरार रखते हुए 21-15 के अंतर से जीतने के साथ अपनी जगह प्री-क्वार्टर फाइनल में पक्की कर ली। किदांबी के अलावा 17 साल की तन्वी शर्मा भी अगले राउंड के लिए अपनी जगह पक्की करने में कामयाब हो गई हैं जिसमें उन्होंने डेनमार्क की अमाइला स्क्लज के खिलाफ दो सेटों तक चले मैच को 21-16 और 21-17 के अंतर से जीता। भारत की मिश्रित युगल जोड़ी ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो ने भी टूर्नामेंट में जीत के साथ शुरुआत की है जिसमें वह थाईलैंड की टोन्नाकोर्न साएंग्म और टोनिचा साएंग्म की जोड़ी को 21-8 और 21-9 के अंतर से मात देने के साथ अगले राउंड का टिकट यह जोड़ी हासिल करने में कामयाब हो गई है। भारतीय स्टार बैडमिंटन प्लेयर लक्ष्य सेन से चाइना मास्टर्स 2026 में सभी को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन पहले राउंड में कनाडा के खिलाड़ी के खिलाफ उनकी लगातार गलतियां उनपर भारी पड़ गई।

भविष्य की योजना और खिलाड़ियों की इंजरी पर रहेगा फोकस

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) गुरुवार को मुंबई में अपने हेडक्वार्टर में एक अहम रिव्यू मीटिंग करेगा। इस मीटिंग में सभी पदाधिकारी, हेड कोच गौतम गंभीर, चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के हेड वीवीएस लक्ष्मण के शामिल होने की उम्मीद है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने 10 जुलाई को 'आईएएनएस' को बताया था कि इंग्लैंड के खिलाफ भारत का दौरा 19 जुलाई को खत्म होने के बाद एक डिटेल्ड रिव्यू मीटिंग होगी। यह मीटिंग शुरू में इंग्लैंड और आयरलैंड में टी20 इंटरनेशनल सीरीज में मिली हार और इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में हार पर चर्चा करने के लिए बुलाई गई थी। हालांकि, जिम्बाब्वे के टी20 इंटरनेशनल दौरे और श्रीलंका में टेस्ट सीरीज के कारण इसे टाल दिया गया था। भारत ने ये सीरीज क्रमशः 3-0 और 1-0 से जीती। मीटिंग के एजेंडे की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बुधवार को 'आईएएनएस' को बताया कि यह हाई-लेवल मीटिंग आखिरकार गुरुवार को होगी। "हां, 3 सितंबर (गुरुवार) को एक मीटिंग तय है। बोर्ड के सभी टॉप अधिकारी और इससे जुड़े अन्य सदस्य आज रात तक इसके लिए मुंबई पहुंच जाएंगे।

श्रीलंका ने इंग्लैंड दौरे के लिए किया स्क्वाड का ऐलान, कुसल मेंडिस संभालेंगे कप्तानी की जिम्मेदारी

श्रीलंका की टीम ने अभी कुछ दिन पहले ही भारत के खिलाफ घर पर 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली थी, जिसमें उसको 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। इस सीरीज के दूसरे मुकाबले में श्रीलंकाई टीम की हार लगभग तय दिख रही थी, लेकिन सोनल दिनुशा की नाबाद शतकीय पारी ने मुकाबले को ड्रॉ कराने में अहम भूमिका अदा की थी। अब श्रीलंकाई टीम को तीन टी20 और तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलने के लिए इंग्लैंड का दौरा करना है, जिसमें श्रीलंका क्रिकेट ने दोनों सीरीज के लिए स्क्वाड का ऐलान कर दिया है और कप्तानी की जिम्मेदारी कुसल मेंडिस को सौंपी गई है। श्रीलंकाई टीम के इंग्लैंड दौरे की शुरुआत 15 सितंबर से तीन मैचों की टी20 सीरीज के साथ होगी। इंग्लैंड के खिलाफ लिमिटेड ओवर्स सीरीज के लिए श्रीलंकाई टीम के स्क्वाड को लेकर बात की जाए तो दोनों फॉर्मेट की सीरीज में कुसल मेंडिस जहां कप्तान संभालेंगे तो वहीं उपकप्तानी की जिम्मेदारी चरिथ असलंका को सौंपी गई है। वहीं वनडे स्क्वाड में पूर्व कप्तान दसुन शनाका की वापसी हुई है, जबकि टी20 सीरीज के लिए वह अपनी जगह बचा पाने में कामयाब रहे हैं। इस दौरे के साथ श्रीलंकाई टीम की साल 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों को भी शुरू कर देगी। टी20 सीरीज के लिए लाहिरू उदारा और थारिन्दु रथनायके को टी20 टीम शामिल किया गया है, जबकि पवन रथनायके, सचिन्दु कोलोम्बेज, असिथा फर्नांडो और दिलशान मदुशंका को केवल वनडे सीरीज के लिए चुना गया है। श्रीलंका पिछले 12 सालों में इंग्लैंड में अब तक कोई भी सीरीज जीतने में कामयाब नहीं हो सका है जिसमें उसकी नजरें इस सूखे को खत्म करने पर रहने वाली हैं। कुसल मेंडिस (कप्तान), पथुम निसांका, कामिल मिशारा, कामिंदु मेंडिस, चरिथ असलंका, जेनिथ लियानगे, पवन रथनायके, दसुन शनाका, वानिंदु हसरंगा, दुनिथ वेल्लागे, महेश तीक्षणा, सचिन्दु कोलोम्बेज, दुष्मंथ चमीरा, ईशान मलिंगा, असिथा फर्नांडो, दिलशान मदुशंका।

जापान ओपन जीतने की खुशी, एशियन गेम्स को लेकर काफी उत्साहित हूं: पीवी सिंधु

चेन्नई। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु का कहना है कि जापान में होने वाले एशियन गेम्स 2026 को लेकर उनकी पूरी तैयारी है और वह इस टूर्नामेंट को लेकर बेहद उत्साहित हैं। सिंधु ने कहा कि जापान ओपन को जीतने वाली पहली भारतीय बनने की उन्हें काफी खुशी है। दरअसल, पीवी सिंधु एशियन टेनिस बॉल क्रिकेट चैंपियनशिप 2026 के लॉन्च कार्यक्रम में पहुंचीं थीं। यह टूर्नामेंट 26 से 29 अक्टूबर तक तमिलनाडु में खेला जाना है, जिसमें 13 देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इवेंट के दौरान सिंधु ने पत्रकारों से

बातचीत करते हुए कहा, मुझे बहुत खुशी है कि मैंने जापान ओपन का खिताब जीता और जाहिर है कि मुझे इस बात की भी खुशी है कि सब कुछ अच्छा चल रहा है। हम जल्द ही एशियन गेम्स के लिए रवाना हो रहे हैं और मैं इसके लिए बहुत उत्साहित हूं। आज मैं यहां टेनिस बॉल क्रिकेट लीग के लिए आई हूं। मुझे यहां आकर बहुत खुशी हो रही है। मैं उन सभी को और टेनिस बॉल क्रिकेट एसोसिएशन को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देती हूं। सिंधु ने आगे कहा, मुझे खुशी है कि टेनिस बॉल क्रिकेट एसोसिएशन इस तरह की लीग का आयोजन कर रहे हैं, जिसमें एथलीट बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे।

सुबह खाली पेट खजूर खाने से क्या क्या फायदे होते हैं, डॉक्टर ने बताए इसके कमाल के बेनिफिट्स

खजूर का सेवन सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं। पोषक तत्वों से भरपूर खजूर न केवल हमारे शरीर को एनर्जी देते है, बल्कि कई गंभीर बीमारियों से बचाने में भी मददगार है। फेमस हेल्थ एक्सपर्ट और यूट्यूबर डॉ. सलीम जैदी के अनुसार, खजूर एक ऐसा सुपरफूड है जो पोषक तत्वों का पावरहाउस है। यदि इसे खाने का सही तरीका अपनाया जाए, तो यह शरीर को कई गंभीर बीमारियों से बचा सकता है। डॉ. जैदी सलाह ने बताया है कि रोजाना सुबह खाली पेट खजूर खाने से क्या क्या फायदे होते हैं। खजूर में नेचुरल शुगर जैसे ग्लूकोज, फ्रुक्टोज और सुक्रोज प्रचुर मात्रा में होती है। इसे खाने से शरीर को तुरंत ऊर्जा मिलती है, जो थकान और कमजोरी को दूर करने में मददगार है। खजूर में भरपूर मात्रा में डाइटरी फाइबर पाया जाता है, जो पाचन क्रिया को दुरुस्त रखता है और कब्ज की समस्या से राहत दिलाता है। इसमें कैल्शियम, मैग्नीशियम, कॉपर और सेलेनियम जैसे मिनरल्स होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाते हैं और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं से बचाते हैं। खजूर आयरन का एक अच्छा स्रोत है। इसका नियमित सेवन करने से शरीर में हीमोग्लोबिन का लेवल बढ़ता है और खून की कमी दूर होती है। खजूर पोटेशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने और दिल की बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद करता है। यह दिमागी ताकत और याददाश्त को बेहतर बनाने के साथ-साथ डिमेंशिया के खतरे को कम करने में भी मददगार है। जो लोग दुबले-पतले हैं और स्वस्थ तरीके से अपना वजन बढ़ाना चाहते हैं, उनके लिए खजूर का सेवन बहुत फायदेमंद माना गया है। नियमित रूप से इसका सेवन करने से तेजी से वजन बढ़ता है। विटामिन सी और डी से भरपूर होने के कारण खजूर त्वचा की इलास्टिसिटी को बनाए रखता है, झुर्रियों को रोकता है और बालों को अंदर से पोषण देता है। हालांकि खजूर को लेकर किए जाने वाले सभी स्वास्थ्य दावों को एक समान वैज्ञानिक प्रमाण प्राप्त नहीं हैं। इसमें प्राकृतिक शर्करा की मात्रा अधिक होती है, इसलिए इसका सेवन संतुलित मात्रा में करना बेहतर माना जाता है। खजूर को खाने से पहले अच्छी तरह धोकर या साफ करके लेना चाहिए।

प्रकृति का वरदान है लामज्जक, जोड़ों के दर्द और त्वचा रोगों में देता है आराम

हमारे आसपास कई ऐसे पौधे पाए जाते हैं, जिनका इस्तेमाल सदियों से आयुर्वेद और लोक चिकित्सा में अलग-अलग तरह से किया जाता रहा है। लामज्जक भी ऐसा ही एक औषधीय पौधा है। इसे पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में बुखार, गठिया, शरीर के दर्द और त्वचा से जुड़ी कुछ समस्याओं के लिए उपयोगी माना गया है। आयुष मंत्रालय ने नेशनल मेडिसिनल प्लांट्स बोर्ड के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर बताया कि लामज्जक एक बहुवर्षीय जड़ी-बूटी है। इसका मतलब है कि यह एक बार उगने के बाद लंबे समय तक जीवित रह सकता है और अनुकूल परिस्थितियों में साल-दर-साल बढ़ता रहता है। आयुर्वेद और लोक चिकित्सा में लामज्जक का पारंपरिक उपयोग बुखार में किया जाता रहा है। इसे शरीर में बढ़ी गर्मी को संतुलित करने में सहायक माना जाता है। हालांकि, तेज या लगातार बुखार कई गंभीर बीमारियों का संकेत भी हो सकता है, इसलिए केवल किसी जड़ी-बूटी पर निर्भर रहने के बजाय चिकित्सकीय जांच जरूरी है। लामज्जक का इस्तेमाल पारंपरिक रूप से गाउट (गठिया के एक प्रकार) और रूमेटिज्म जैसी स्थितियों में भी किया जाता है। शरीर में दर्द या जोड़ों की तकलीफ के दौरान इसे लोक चिकित्सा में उपयोग किया जाता रहा है। लेकिन दर्द का कारण जानना जरूरी है, क्योंकि अलग-अलग समस्याओं का उपचार भी अलग होता है। लोक चिकित्सा में लामज्जक का उपयोग विभिन्न त्वचा संबंधी स्थितियों में भी किया जाता है। हालांकि त्वचा पर किसी भी पौधे या उसके लेप का इस्तेमाल सीधे करने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर है। संवेदनशील त्वचा वाले लोगों में प्राकृतिक चीजें भी एलर्जी या जलन पैदा कर सकती हैं।

मेटाबॉलिक जोखिम बढ़ा रहे एनसीडी का खतरा, स्वस्थ जीवनशैली और समय पर जांच जरूरी

आज के समय में गैर-संचारी रोग (एनसीडी) लोगों के स्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती बन चुके हैं। इनमें डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोग जैसी बीमारियां शामिल हैं। इन बीमारियों का खतरा बढ़ाने वाले कई कारण हमारी रोजमर्रा की जीवनशैली से जुड़े हैं। खराब खानपान, शारीरिक गतिविधि की कमी, तंबाकू और शराब का सेवन तथा बढ़ता वजन ऐसे प्रमुख जोखिम कारक हैं, जिन पर समय रहते ध्यान देकर एनसीडी से बचाव किया जा सकता है। भारत में राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग निगरानी सर्वेक्षण (एनएनएमएस) 2017-18 के जरिए वयस्क आबादी में एनसीडी से जुड़े जोखिम कारकों की राष्ट्रीय स्तर पर स्थिति का आकलन किया गया। सर्वे में 18 से 69 वर्ष की उम्र के वयस्कों को शामिल किया गया था। इसके आंकड़े बताते हैं कि देश में मेटाबॉलिक जोखिम कारकों का स्तर चिंता का विषय है। सर्वे के अनुसार, 28.5 प्रतिशत वयस्कों का ब्लड प्रेशर बढ़ा हुआ पाया गया। वहीं 9.3 प्रतिशत लोगों में ब्लड ग्लूकोज का स्तर बढ़ा हुआ था। इसके अलावा 26.1 प्रतिशत लोग ओवरवेट जबकि 6.2 प्रतिशत मोटापे से प्रभावित पाए गए। सेंट्रल ओबेसिटी यानी पेट के आसपास अधिक चर्बी की समस्या 32.2 प्रतिशत वयस्कों में देखी गई। पेट के आसपास जमा अतिरिक्त चर्बी को कई मेटाबॉलिक बीमारियों के बढ़ते खतरे से जोड़ा जाता है। सर्वे में केवल वजन और ब्लड प्रेशर जैसे मेटाबॉलिक जोखिम ही नहीं बल्कि जीवनशैली से जुड़े दूसरे पहलुओं की भी जानकारी जुटाई गई। इसमें सामने आया कि 32.8 प्रतिशत वयस्क तंबाकू का सेवन कर रहे थे जबकि 15.9 प्रतिशत लोगों ने शराब के सेवन की जानकारी दी। इससे यह साफ होता है कि एनसीडी की रोकथाम के लिए केवल दवाओं पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है बल्कि जीवनशैली में बदलाव भी जरूरी है। शारीरिक सक्रियता की कमी भी एक बड़ी चिंता के रूप में सामने आई। सर्वे में 41.3 प्रतिशत वयस्क शारीरिक रूप से निष्क्रिय पाए गए। यानी बड़ी संख्या में लोग रोजमर्रा की जिंदगी में पर्याप्त शारीरिक गतिविधि नहीं कर रहे थे। खानपान की स्थिति भी बेहतर नहीं थी। करीब 98.4 प्रतिशत वयस्क रोजाना पांच सर्विंग लगभग (400-500 ग्राम) से कम फल और सब्जियां खा रहे थे।

एक पैर पर खड़े होकर करें ये आसान योगासन, शरीर के साथ मन भी रहेगा स्थिर

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ मन को शांत और एकाग्र रखना भी जरूरी है। योग इस दिशा में काफी मददगार हो सकता है। योग के अलग-अलग आसनों में वृक्षासन एक ऐसा सरल आसन है, जो शरीर के संतुलन के साथ एकाग्रता और जागरूकता को बढ़ाने में सहायक माना जाता है। नियमित अभ्यास से व्यक्ति शारीरिक और मानसिक स्थिरता की ओर कदम बढ़ा सकता है। वृक्षासन का नाम वृक्ष (पेड़) से लिया गया है। जिस तरह एक पेड़ अपनी जड़ों के सहारे मजबूती से खड़ा रहता है, उसी तरह इस आसन में शरीर को स्थिर रखते हुए संतुलन बनाए रखने का प्रयास किया जाता है। इसका अभ्यास करते समय एक पैर पर खड़े होकर दूसरे पैर के तलवे को सहारे के अनुसार जांघ के पास रखा जाता है। इसके बाद दोनों हाथों को ऊपर उठाकर नमस्कार की मुद्रा में रखा जा सकता है। आसन के दौरान सामने किसी एक बिंदु पर ध्यान केंद्रित करना संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। वृक्षासन का नियमित और सही तरीके से अभ्यास तंत्रिका से संबंधित स्नायुओं के समन्वय में मदद कर सकता है। शरीर को एक स्थिति में स्थिर रखने के प्रयास से संतुलन और शरीर की जागरूकता पर ध्यान जाता है। इसके साथ ही यह आसन सहनशीलता को बढ़ावा देने में भी सहायक हो सकता है। शुरुआत में संतुलन बनाना थोड़ा मुश्किल लग सकता है, लेकिन नियमित अभ्यास के साथ शरीर इस स्थिति के अनुकूल होने लगता है। इस आसन का एक महत्वपूर्ण लाभ एकाग्रता और जागरूकता से जुड़ा है। वृक्षासन करते समय शरीर को स्थिर रखने के लिए मन को भी एक बिंदु पर केंद्रित करना पड़ता है। इस वजह से अभ्यास के दौरान ध्यान भटकने से बचने और वर्तमान क्षण पर ध्यान लगाने का प्रयास किया जाता है। इससे शारीरिक और मानसिक स्थिरता को बढ़ावा मिल सकता है। वृक्षासन का अभ्यास हमेशा अपनी क्षमता के अनुसार करना चाहिए। शुरुआत में जरूरत पड़ने पर दीवार या किसी मजबूत सहारे का उपयोग किया जा सकता है। शरीर पर अनावश्यक दबाव डालने या लंबे समय तक जबरदस्ती मुद्रा बनाए रखने से बचना चाहिए।

सूर्य नमस्कार से लेकर अर्ध मत्स्येन्द्रासन तक: किडनी को हेल्दी रखने के लिए रोजाना करें ये 9 योगासन

किडनी (गुर्दा) हमारे शरीर के बेहद महत्वपूर्ण अंग हैं। ये खून को साफ करने, शरीर से अपशिष्ट पदार्थ बाहर निकालने और पानी व इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। ऐसे में किडनी की सेहत का ध्यान रखना जरूरी है। नियमित शारीरिक गतिविधि और संतुलित जीवनशैली के साथ कुछ योगाभ्यास भी शरीर को सक्रिय और स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं। मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर किडनी हेल्दी वाले 9 आसान योगासनों के बारे में बताया है। सूर्य नमस्कारः सूर्यनमस्कार 12 आसनों का एक समूह है। इसका नियमित अभ्यास पूरे शरीर में रक्त परिसंचरण को बेहतर बनाता है। यह किडनी में ऑक्सीजन युक्त रक्त के प्रवाह को बढ़ाता है, जिससे किडनी की फिल्टर करने की क्षमता में सुधार होता है और शरीर से विषाक्त पदार्थ आसानी से बाहर निकलते हैं। उत्तानपादासनः इस आसन में पीठ के बल लेटकर दोनों पैरों को एक साथ ऊपर उठाया जाता है। यह आसन पेट की मांसपेशियों और गुर्दे के आसपास के अंगों को सक्रिय करता है। इससे पाचन तंत्र मजबूत होता है और किडनी पर जमा अतिरिक्त दबाव कम होता है। त्रिकोणासनः इस आसन में शरीर को त्रिकोण के आकार में खींचा जाता है। यह किडनी और एड्रिनल ग्रंथि को उत्तेजित करता है। इससे किडनी के आसपास जमी चर्बी कम होती है और किडनी के कार्य में सुधार होता है।

गुर्दे की सेहत के लिए वरदान हैं ये योगाभ्यास, जानें करने का सही तरीका

स्वास्थ्य का वास्तविक अर्थ केवल बीमारियों का इलाज करना नहीं बल्कि शरीर को स्वाभाविक रूप से स्वस्थ और मजबूत बनाए रखना है। गुर्दे हमारे शरीर का प्राकृतिक फिल्टरिंग सिस्टम है, जो शरीर की सफाई में काम करता है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि आंतरिक अंगों की मालिश और पुनर्प्राप्ति की एक सूक्ष्म तकनीक है। सही योगाभ्यासों, प्राणायाम और सजगता के माध्यम से हम न केवल अपने गुर्दों को स्वस्थ रख सकते हैं बल्कि भविष्य में होने वाले गंभीर जोखिमों से भी इनका बचाव कर सकते हैं। मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान ने कुछ ऐसे आसनों के बारे में बताया, जो गुर्दे पर प्रभाव डालते हैं और उसकी कार्यप्रणाली को मजबूत बनाते हैं। इनमें उत्तानपादसन, सेतुबंधासन, धनुरासन, भुजंगासन, अर्ध मत्स्येन्द्रासन, वक्रासन, कटिचक्रासन, त्रिकोणासन जैसे कई योगाभ्यास शामिल हैं। उत्तानपादसन : यह आसन सीधे तौर पर गुर्दे की किसी बीमारी को ठीक नहीं करता लेकिन यह शरीर की आंतरिक प्रणालियों को मजबूत कर गुर्दे की कार्यक्षमता में सुधार लाता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, इस आसन को करने के दौरान जब साधक पैरों को ऊपर उठाते हैं, तो निचले हिस्से से रक्त का प्रवाह पेट और पीठ के निचले हिस्से (जहां गुर्दे स्थित होते हैं) की ओर बढ़ता है।

फ्री लिमिट के बाद कैश निकालने से लेकर फेल ट्रांजैक्शन तक, केनरा बैंक और SBI कितना करता है चार्ज?

बैंकिंग नियमों में समय-समय पर होने वाले बदलाव का सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ता है। केनरा बैंक ने 1 सितंबर 2026 से अपने ग्राहकों के लिए फ्री एटीएम ट्रांजैक्शन की सीमा घटाने के साथ ही चार्जेज में बढ़ोतरी कर दी है। इसमें फ्री लिमिट खत्म होने के बाद कैश निकालने और पर्याप्त बैलेंस न होने पर ट्रांजैक्शन फेल होने जैसे चार्ज शामिल हैं। अगर आप केनरा बैंक या देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई (SBI) के ग्राहक हैं, तो आइए जानते हैं कि दोनों बैंकों के एटीएम नियमों और शुल्कों में कितना अंतर है। केनरा बैंक ने सामान्य सेविंग्स अकाउंट ग्राहकों के लिए एक कैलेंडर महीने में मिलने वाले फ्री एटीएम ट्रांजैक्शन की संख्या 6 से घटाकर 5 कर दी है। इसमें फाइनेंशियल और नॉन-फाइनेंशियल दोनों ट्रांजैक्शन शामिल हैं। हालांकि, सीनियर सिटीजंस के लिए हर महीने 8 फ्री ट्रांजैक्शन की सीमा बरकरार है। वहीं, एसबीआई अपने नियमित सेविंग्स अकाउंट होल्डर्स को एक महीने में कुल 5 से 8 फ्री एटीएम ट्रांजैक्शन (मेट्रो और नॉन-मेट्रो शहरों के आधार पर) की सुविधा देता है। इसके अलावा, खाते में औसतन 25,000 से अधिक बैलेंस रखने वाले ग्राहकों के लिए एसबीआई एटीएम पर अनलिमिटेड फ्री ट्रांजैक्शन की सुविधा मिलती है। केनरा बैंक के ग्राहकों को फ्री लिमिट समाप्त होने के बाद केनरा बैंक या किसी अन्य बैंक के एटीएम से कैश निकालने (जिसमें UPI/ICCW ट्रांजैक्शन भी शामिल हैं) पर अब 23 + जीएसटी देना होगा। पहले यह शुल्क 20 + जीएसटी था।

दिल्ली से कानपुर 1:45 घंटे, वाराणसी 3:30 घंटे और पटना 4:30 घंटे में पहुंचाएगी बुलेट ट्रेन

दिवाली और छठ जैसे बड़े त्योहारों पर दिल्ली से यूपी और बिहार जाने वाली ट्रेनों में उमड़ने वाली भीड़ किसी से छिपी नहीं है। लंबी दूरी, घंटों का सफर और कन्फर्म टिकट की परेशानी यात्रियों के लिए बड़ी चुनौती बन जाती है। लेकिन आने वाले वर्षों में दिल्ली से उत्तर प्रदेश और बिहार का रेल सफर पूरी तरह बदल सकता है। रेलवे ने हाई-स्पीड रेल कनेक्टिविटी को लेकर बड़ा प्लान सामने रखा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के मुताबिक, प्रस्तावित हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर के जरिए दिल्ली से यूपी और बिहार के कई बड़े शहरों तक पहुंचने में अभी के मुकाबले काफी कम समय लगेगा। प्रस्तावित कॉरिडोर में सफर की रफ्तार इतनी ज्यादा होगी कि दिल्ली से आगरा की दूरी करीब 58 मिनट में तय की जा सकेगी। वहीं दिल्ली से कानपुर 1 घंटे 45 मिनट और लखनऊ 2 घंटे 12 मिनट में पहुंचने का अनुमान है। इससे यूपी के बड़े शहरों के बीच यात्रा करना बेहद आसान हो जाएगा। रेल मंत्री के अनुसार, दिल्ली से प्रयागराज करीब 3 घंटे और वाराणसी करीब 3 घंटे 30 मिनट में पहुंचने का अनुमान है। वहीं, दिल्ली से पटना करीब 1,170 किलोमीटर की दूरी लगभग 4 घंटे 30 मिनट में पूरी हो सकेगी।

शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखता है अर्द्धहलासन

योग हमारी प्राचीन परंपरा की अमूल्य धरोहर है, जो न सिर्फ शरीर को बल्कि स्वस्थ रखने के साथ मन को भी शांत रखने में कारगर होता है। योग के विभिन्न आसनों में 'अर्द्धहलासन' शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। 'अर्द्धहलासन' एक संस्कृत शब्द से बना है, जिसमें 'अर्द्ध' का अर्थ 'आधा' और 'हल' का मतलब 'खेत जोतने वाला'। यह आसन हलासन का आधा रूप है, जिसमें पैर के अंगूठे सिर के पीछे जमीन को छूते हैं लेकिन अर्द्धहलासन में आपको सिर्फ पीठ के बल सीधे लेटकर अपने दोनों पैरों को जमीन से 90 डिग्री ऊपर उठाना होता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, अर्द्धहलासन को नियमित तौर पर करने से पेट की चर्बी कम होती है, पाचन तंत्र मजबूत होता है, रीढ़ की हड्डी को लचीलापन मिलता है, और रक्त संचार में सुधार होता है। साथ ही, यह तनाव और चिंता की समस्या को दूर करता है। इसके अलावा, पैरों की मांसपेशियों को मजबूती प्रदान करता है और पेट की चर्बी को कम करने में मदद करता है। 'अर्द्धहलासन' को सही तरीके से करने के लिए कुछ चरणों का पालन करना होता है। सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएं, दोनों हाथ शरीर के बगल में रखें, और हथेलियां जमीन पर हों।

आउटसोर्स कर्मचारियों की नौकरी को लेकर CM योगी का बड़ा प्लान

उत्तर प्रदेश में आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लखनऊ में उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम (UPCOS) की शुरुआत करते हुए कर्मचारियों की नौकरी और सामाजिक सुरक्षा को लेकर कई अहम घोषणाएं कीं। नई व्यवस्था के तहत अब कोई भी आउटसोर्सिंग कंपनी कर्मचारी को अपनी मर्जी से सीधे नौकरी से नहीं निकाल सकेगी। कर्मचारी को हटाने से पहले सरकार की अनुमति लेना जरूरी होगा। सरकार शिकायत की जांच करेगी और अगर शिकायत गलत पाई जाती है तो कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाएगी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आउटसोर्स कर्मचारियों के साथ किसी भी तरह का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नई व्यवस्था का मकसद कर्मचारियों को नौकरी में सुरक्षा देना और कंपनियों की मनमानी पर रोक लगाना है। अगर किसी कर्मचारी के खिलाफ शिकायत आती है तो पहले उसकी जांच होगी। गलत शिकायत के आधार पर कर्मचारी को हटाया या परेशान नहीं किया जा सकेगा। सरकार ने कर्मचारियों की स्वास्थ्य सुरक्षा पर भी बड़ा फोकस किया है। सीएम योगी ने बताया कि ईएसआई का पैसा सीधे अस्पताल को दिया जाएगा। अगर किसी अस्पताल में जरूरी सुविधा उपलब्ध नहीं होती है तो कर्मचारियों को कैशलेस इलाज की सुविधा से जोड़ा जाएगा। इसके तहत कर्मचारी और उसके पूरे परिवार को 5 लाख रुपये तक के इलाज की सुविधा मिल सकेगी। इसके अलावा मातृत्व लाभ भी उपलब्ध कराया जाएगा। नई व्यवस्था में कर्मचारियों के परिवार को आर्थिक सुरक्षा देने के लिए कई प्रावधान किए गए हैं। दुर्घटना या आपदा की स्थिति में परिवार को 20 लाख से 50 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा कवर मिल सकेगा। वहीं, अग्निकांड की स्थिति में आउटसोर्स निगम की ओर से परिवार को 10 लाख रुपये तक की मदद दी जाएगी। सरकार की योजना सिर्फ नौकरी की सुरक्षा तक सीमित नहीं है। किसी बड़ी अनहोनी की स्थिति में परिवार की मदद के लिए बेटे की शिक्षा के लिए 8 लाख रुपये और बेटी की शिक्षा के लिए 10 लाख रुपये तक की सहायता का प्रावधान बताया गया है। बेटी की शादी में भी सहायता दी जाएगी। इसके साथ ही कर्मचारियों के लिए जीरो बैलेंस खाते और परिवार के चार सदस्यों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले आउटसोर्स कर्मचारियों को बोझ समझा जाता था और उनका शोषण होता था। अब सरकार उन्हें प्रदेश की संपत्ति यानी 'एसेट' मानकर काम कर रही है। इसी उद्देश्य से UPCOS के पोर्टल और वेबसाइट को लॉन्च किया गया।

थिंक राजस्थान

तमिलनाडु के मंदिरों में अब स्मार्टफ़ोन लेकर जाने पर पाबंदी, विजय सरकार ने जारी किया आदेश

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार ने राज्य भर के 52 प्रमुख मंदिरों में स्मार्टफ़ोन लेकर जाने पर रोक लगा दी है। जानकारी के मुताबिक मंदिरों में स्मार्टफोन लेकर जाने पर यह पाबंदी मंगलवार से लागू हो गई है। हालांकि, बिना कैमरे वाले फ़ोन मंदिर परिसर के अंदर ले जाने की इजाज़त होगी। ANI न्यूज़ एजेंसी ने मंदिरों का प्रबंधन करने वाले हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती (HR&CE) विभाग का हवाला देते हुए बताया कि नए नियमों के तहत, स्मार्टफोन साथ लाने वाले श्रद्धालुओं को उन्हें मंदिर के प्रवेश द्वारों पर बने तय काउंटरों पर जमा करना होगा और इसके लिए प्रति फ़ोन 5 रुपये देने होंगे। HR&CE विभाग के मंत्री एस. रमेश ने पहले विधानसभा में घोषणा की थी कि स्मार्टफ़ोन पर यह रोक 1 सितंबर से प्रमुख मंदिरों में लागू की जाएगी। ANI की रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार को उन्होंने कहा कि इस फ़ैसले का मकसद श्रद्धालुओं के लिए शांतिपूर्ण और सुकून भरा माहौल सुनिश्चित करना था। विभाग के अनुसार, ज़्यादा भक्त और आने वाले लोग मंदिरों के अंदर देवी-देवताओं और मूर्तियों की फ़ोटो और वीडियो लेने के लिए स्मार्टफ़ोन का इस्तेमाल कर रहे थे, कुछ लोग सेल्फ़ी भी ले रहे थे और सोशल मीडिया के लिए छोटे वीडियो और रील्स भी बना रहे थे। विभाग ने कहा कि इन गतिविधियों से मंदिरों का आध्यात्मिक माहौल खराब होता है और दूसरे भक्तों को परेशानी होती है। मंत्री ने यह भी कहा कि पलानी, तिरुचेंदूर, मदुरै और रामेश्वरम समेत कई बड़े मंदिरों में मोबाइल फ़ोन पहले से ही प्रतिबंधित हैं। स्मार्टफ़ोन वाले भक्तों को 52 मंदिरों में बने काउंटरों पर अपने फ़ोन जमा करने होंगे और प्रति फ़ोन 5 का शुल्क देना होगा। उन्हें एक टोकन या रसीद मिलेगी, जिसे बाद में फ़ोन वापस लेने के लिए दिखाना होगा। कर्मचारी फ़ोन वापस करने से पहले फ़ोन नंबर और अन्य जानकारी की जांच करेंगे। कांचीपुरम के देवराजस्वामी-अथी

वरदार मंदिर में, कर्मचारी भक्त की फ़ोटो, फ़ोन मॉडल और नंबर भी रिकॉर्ड कर रहे हैं। तिरुवन्नामलाई के अरुणाचलेश्वर मंदिर समेत अन्य मंदिरों में भी ऐसे ही काउंटर बनाए गए हैं। HR&CE विभाग ने बताया कि 5 की फ़ीस कमाई के ज़रिया के तौर पर नहीं ली जा रही है। 'द हिंदू' की रिपोर्ट के मुताबिक, एस. रमेश ने कहा कि इस पैसे का इस्तेमाल फ़ोन-डिपॉज़िट सिस्टम को चलाने से जुड़े खर्चों को पूरा करने में किया जाएगा। इसमें 52 मंदिरों में अलग से स्टाफ़ की नियुक्ति और सिक्योरिटी लॉकर्स व अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने वाला खर्च शामिल है। नई व्यवस्था के तहत मंदिर प्रशासन का मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं का ध्यान धार्मिक गतिविधियों और दर्शन पर केंद्रित रखना है। विभाग का मानना है कि मंदिर परिसर में लगातार मोबाइल चलाने, तस्वीरें लेने और वीडियो बनाने की गतिविधियों में कमी आने से दर्शन के दौरान अनुशासन बनाए रखने में मदद मिलेगी। मंदिरों में तैनात कर्मचारियों को भी नई व्यवस्था को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। प्रवेश द्वार पर श्रद्धालुओं को मोबाइल जमा करने की प्रक्रिया समझाने के साथ उनके सामान की सुरक्षित देखरेख की व्यवस्था की जा रही है।

समुद्र के नीचे दफन था 20 साल पुराना मंदिर, ज्वार पीछे हटा तो दिखा शिखर

ओडिशा के गंजाम जिले के पुराने पोड़मपेटा समुद्र तट पर इन दिनों एक मंदिर का हिस्सा दिखाई देने के बाद यह स्थान लोगों के आकर्षण का केंद्र बन गया है। समुद्र तट की मिट्टी के नीचे से मंदिर के शिखर का कुछ हिस्सा नजर आ रहा है। इसके सामने आने के बाद इस मंदिर से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण जानकारी भी सामने आई है। बताया जा रहा है कि दिखाई दे रहा यह हिस्सा स्थानीय क्षेत्र के गंगादेवी मंदिर का है। जानकारी के अनुसार, यह मंदिर करीब 20 से 25 वर्ष पुराना है। बताया जा रहा है की यह मंदिर पूरी तरह स्थापित और प्रतिष्ठित होने से पहले ही समुद्र में समा गया था। समुद्र के लगातार आगे बढ़ने के कारण इस क्षेत्र में मौजूद बस्ती भी धीरे-धीरे प्रभावित हुई। एक समय इस स्थान पर लोगों की अच्छी-खासी बस्ती हुआ करती थी। यहां कई घर मौजूद थे, लेकिन समय के साथ समुद्र का पानी और लहरें आगे बढ़ती गईं और एक के बाद एक घर समुद्र में समाते चले गए। इसके बाद धीरे-धीरे यह पूरा इलाका समुद्र की चपेट में आ गया और यहां मौजूद पुरानी बस्ती का बड़ा हिस्सा समुद्र में लीन हो गया। लोग इस स्थान पर पहुंचकर मंदिर के दिखाई दे रहे हिस्से को देख रहे हैं।

'PM मोदी पाकिस्तान को दुनिया के नक्शे से हटा सकते हैं', एडिटेड फोटो से नाराज एकनाथ शिंदे का बयान

किर्गिस्तान में हुए शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) ने X पर SCO नेताओं की एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें से PM मोदी को हटा दिया गया था। इसे लेकर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ की आलोचना की और शिंदे ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। शिंदे ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने PM मोदी को लेकर ऐसी ओछी हरकतें की हैं। शिंदे ने कहा कि पाकिस्तान को भारत के साथ ऐसी हरकतें नहीं करनी चाहिए। शिंदे ने समाचार एजेंसी ANI से कहा, "मैं कहूंगा कि भले ही उन्होंने मोदी जी की तस्वीर हटा दी हो, लेकिन अगर मोदी जी चाहें तो वे पाकिस्तान को दुनिया के नक्शे से ही मिटा सकते हैं।" शिंदे ने पहलगाम आतंकी हमले का भी ज़िक्र किया, जिसमें पिछले साल जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादियों ने 26 पर्यटकों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। उन्होंने कहा कि भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के ज़रिए इसका मुंहतोड़ जवाब दिया। उन्होंने कहा, SCO की फ़ोटो से PM मोदी को हटाने से भारत या दुनिया में उनकी लोकप्रियता पर कोई असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि वह दुनिया भर के सबसे लोकप्रिय नेताओं में से एक हैं। उन्होंने आगे कहा, "प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमारी सेना ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादियों के ठिकानों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया। उन्होंने 11 एयरबेस कैंप भी तबाह कर दिए और पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। पूरे देश को भारतीय सेना और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर गर्व है। इसलिए, पाकिस्तान को हमारे देश के साथ ऐसी हरकतें करने की कोशिश कभी नहीं करनी चाहिए।" शहबाज़ शरीफ़ के ऑफ़िस ने SCO की ग्रुप फ़ोटो का एक एडिट किया हुआ वर्ज़न शेयर किया, जिसमें से PM मोदी को हटा दिया गया था। असली फ़ोटो में सदस्य देशों के कई नेता, जिनमें PM मोदी, चीन के शी जिनपिंग और रूस के व्लादिमीर पुतिन शामिल थे, एक साथ खड़े थे। इसके उलट, X पर PM मोदी की पोस्ट में ग्रुप फ़ोटो में शरीफ़ भी दिखाई दे रहे थे। हालांकि, बाद में शरीफ़ ने अपने ऑफ़िशियल X अकाउंट से पूरी ग्रुप फ़ोटो शेयर की, जिसमें PM मोदी समेत SCO के सभी नेता दिखाई दे रहे थे। तस्वीर को लेकर विवाद सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर भी दोनों देशों के समर्थकों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं के बीच प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया। हालांकि बाद में पूरी तस्वीर साझा किए जाने के बाद यह मामला कुछ हद तक शांत हुआ, लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच पहले से तनावपूर्ण संबंधों को देखते हुए इस घटना ने राजनीतिक चर्चाओं को जरूर हवा दे दी। भारतीय पक्ष की ओर से यह संदेश दिया गया कि किसी आधिकारिक मंच की तस्वीर में बदलाव करने जैसी घटनाएं दोनों देशों के संबंधों के लिहाज से उचित नहीं हैं। घटना के बीच शिंदे के बयान ने विवाद को और राजनीतिक रंग दे दिया।

गंगा में बह रहा था 70 साल का बुजुर्ग, हर की पैड़ी पर फिर जो हुआ उसे कैमरे ने कर लिया कैद

हरिद्वार के रोड़ीबेलवाला क्षेत्र में हाथी पुल के पास गंगा में बहे एक बुजुर्ग को स्थानीय गोताखोरों ने जान जोखिम में डालकर सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि बुजुर्ग गंगा के तेज बहाव में फंस गए थे, जिसके बाद आसपास मौजूद लोगों में अफरा तफरी मच गई। अपनी जान पर खेलकर युवकों ने बुजुर्ग तो बचा लिया और वायरल वीडियो में युवकों के साहस की सराहना की जा रही है। जानकारी के अनुसार, हर की पैड़ी के आसपास कुछ गोताखोर गंगा से सिक्के निकालने और श्रद्धालुओं द्वारा प्रवाहित किए जाने वाले नारियल पकड़ने का काम करते हैं। बीते सोमवार की शाम को भी युवक और बच्चे यही काम कर रहे थे। तभी अचानक उनकी नजर गंगा में बह रहे एक बुजुर्ग पर पड़ी। पानी का तेज बहाव होने के कारण बुजुर्ग बहता चला जा रहा था और गंगा में कभी नीचे तो कभी ऊपर हो रहा था। बुजुर्ग को बहता देख हाथी पुल के पास स्थानीय दो गोताखोर तुरंत गंगा में कूद गए और काफी मशक्कत के बाद उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया। बुजुर्ग को बाहर निकालने की घटना को घाट पर ही मौजूद कुछ लोगों ने अपने मोबाइल में कैद कर लिया जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

बीकानेर शहर कांग्रेस अध्यक्ष को क्यों पीटने लगे पार्टी कार्यकर्ता? फाड़ा कुर्ता

बीकानेर में कांग्रेस की अंदरुनी कलह खुलकर सामने आने लगी है। बुधवार को वार्ड संख्या 50 में कांग्रेस प्रत्याशी नवरतन डागा के कार्यालय उद्घाटन पर आए शहर कांग्रेस जिलाध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल के साथ मारपीट की गई। कथित तौर पर टिकट नहीं मिलने से नाराज कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनकी पिटाई की। अचानक हुए इस घटनाक्रम में एक बार मौके पर अफरा तफरी का माहौल हो गया। मारपीट के दौरान युवाओं ने टिकट चोर... टिकट चोर....के नारे लगा रहे थे। जिलाध्यक्ष मदन मेघवाल ने कहा कि वार्ड नंबर 50 के कांग्रेस प्रत्याशी नवरतन डागा के कार्यालय का उद्घाटन था। कार्यक्रम में मोहित अरोड़ा भी आया हुआ था। मोहित अरोड़ा कल मेरे कार्यालय में भी आया था,उसने कहा कि मैं पार्टी के साथ हूं, जिसे सिंबल मिला है। उसकी मदद करूंगा। उद्घाटन के कार्यक्रम में मोहित अरोड़ा अपने 5 -6 साथियों के साथ आया हुआ था। मेरे साथ खड़े होकर पार्टी के नारे लगा रहा था। मुझे लगा सब माहौल शांतिपूर्ण है लेकिन वो साजिश करके वहां आया था। मुझे बात करने के लिए बाहर लेकर गया। हम सीढ़ियों के पास खड़े थे। उसके साथ वीडियो बना रहे थे। उसने मेरे साथ मारपीट की और बदतमीजी किया। मारपीट में मेरा कुर्ता भी फट गया। मदन मेघवाल ने कहा कि ऐसे में पास खड़े लोगों ने मुझे बचाया और वो भाग गए। उसके पास हथियार होने का भी अंदेशा है। विश्वास में लेकर मेरे साथ जो घटना की है वो ठीक नहीं है। इस तरह की हरकतों से हम डरने वाले नहीं हैं और हम अब कानूनी कार्रवाई करेंगे और वार्ड से प्रत्याशी को जीत कर इनका जवाब देंगे। वहीं पूर्व मंत्री डॉ बीड़ी कल्ला ने कहा कि मेरे आने से पहले यह घटना हो गई थी लेकिन यह घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। जिलाध्यक्ष के साथ इस तरह का व्यवहार करना निंदनीय है। लोकतंत्र में इस तरह की हरकतें उचित नहीं है ऐसे लोगों पर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस घटना की आलोचना की है। एक्स हैंडल पर गहलोत ने कहा कि बीकानेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल के साथ की गई मारपीट बेहद दुखद है और इसकी कड़े शब्दों में निंदा करता हूं। इस प्रकार का व्यवहार, हरकत अनुशासनहीनता है और अस्वीकार्य है। पुलिस को अविलंब इन्हें गिरफ्तार कर कार्रवाई करनी चाहिए।

अंकित शर्मा हत्याकांड में उम्रकैद को ताहिर हुसैन ने दी चुनौती, हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से मांगा जवाब

ताहिर हुसैन ने निचली अदालत की ओर से सुनाई गई उम्रकैद की सजा को चुनौती दी है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने फरवरी 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान खुफिया ब्यूरो (आईबी) के कर्मचारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में दोषसिद्धि और उम्रकैद की सजा को चुनौती देने वाली आम आदमी पार्टी (AAP) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन की अपील पर दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह और न्यायमूर्ति विकास महाजन की पीठ ने ताहिर हुसैन की अपील को सुनवाई के लिए स्वीकार करते हुए मामले को 02 दिसंबर को अन्य संबंधित अपीलों के साथ सूचीबद्ध किया। अदालत ने जेल अधिकारियों को दोषी से संबंधित विवरण रिकॉर्ड पर रखने का निर्देश दिया। साथ ही, निचली अदालत के रिकॉर्ड भी तलब किए गए हैं। ताहिर हुसैन ने अपनी अपील में निचली अदालत के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसके तहत उन्हें अंकित शर्मा की हत्या के मामले में दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। हुसैन का दावा है कि मामले की जांच का उद्देश्य जनता के गुस्से को शांत करने के लिए उन्हें फंसाना था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, 26 फरवरी 2020 को शिकायतकर्ता रविंदर कुमार ने दयालपुर थाने में सूचना दी थी कि उनका बेटा अंकित शर्मा, जो आईबी में तैनात था, 25 फरवरी से लापता है। बाद में स्थानीय लोगों से उन्हें जानकारी मिली कि एक व्यक्ति की हत्या कर उसके शव को चांद बाग पुलिया स्थित मस्जिद से खजूरी खास नाले में फेंक दिया गया है। इसके बाद खजूरी खास नाले से अंकित शर्मा का शव बरामद किया गया। अभियोजन के मुताबिक, उनके शरीर पर चोट के 51 निशान पाए गए थे। निचली अदालत ने 31 जुलाई को ताहिर हुसैन के अलावा नाज़िम, कासिम, जावेद और अनस को अंकित शर्मा की हत्या का दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। अदालत ने यह भी कहा था कि अपराध की गंभीरता के बावजूद यह मामला "दुर्लभतम से दुर्लभ" श्रेणी में नहीं आता, इसलिए मौत की सजा देने का आधार नहीं बनता। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में 24 फरवरी 2020 को नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के समर्थकों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प के बाद सांप्रदायिक हिंसा भड़क उठी थी। कई दिनों तक चली हिंसा में कम से कम 53 लोगों की मौत हुई थी, जबकि बड़ी संख्या में लोग घायल हुए थे। अब मामले की अगली सुनवाई में दिल्ली पुलिस को ताहिर हुसैन की अपील पर अपना पक्ष रखना होगा। पुलिस की दलीलों और निचली अदालत के रिकॉर्ड के आधार पर उच्च न्यायालय यह देखेगा कि दोषसिद्धि के खिलाफ उठाए गए आधारों में सुनवाई योग्य कोई ठोस कानूनी आधार है या नहीं। इस प्रक्रिया के दौरान अभियोजन और बचाव पक्ष दोनों अपने-अपने तर्क अदालत के सामने रखेंगे। ताहिर हुसैन की ओर से निचली अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए जांच की निष्पक्षता और उनके खिलाफ प्रस्तुत साक्ष्यों पर सवाल उठाए गए हैं। बचाव पक्ष का कहना है कि उन्हें मामले में राजनीतिक और सार्वजनिक दबाव के कारण फंसाया गया। अब उच्च न्यायालय में इन दावों की समीक्षा उपलब्ध साक्ष्यों और निचली अदालत की कार्यवाही के आधार पर होगी।

ओडिशा में बिना PUCC वाले वाहनों पर जुर्माना हुआ कम, अब नहीं लगेगा 10 हजार रुपये

ओडिशा सरकार ने बिना वैध पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल सर्टिफिकेट के सड़क पर चलने वाले वाहनों के खिलाफ लगने वाले जुर्माने में बदलाव किया है। सरकार ने अधिकतम जुर्माने की राशि को 10,000 से घटाकर 6,000 कर दिया है। नई व्यवस्था बुधवार से लागू की गई है। सरकार के इस फैसले से उन वाहन मालिकों को राहत मिलने की उम्मीद है, जिनके वाहनों का PUCC वैध नहीं है। हालांकि, बिना वैध PUCC के वाहन चलाने पर जुर्माना जारी रहेगा, लेकिन अब इसकी राशि वाहन के प्रकार और उल्लंघन पहली या दूसरी बार होने के आधार पर तय की जाएगी। बिना PUCC के वाहन चलाने पर वर्ष 2019 से 10,000 का जुर्माना लगाया जा रहा था। सरकार ने अब इस प्रावधान में बदलाव करते हुए जुर्माने की राशि कम करने का फैसला किया है। सरकार के अनुसार, जुर्माने की राशि कम करने का उद्देश्य लोगों पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ को कम करना है। इसके साथ ही, बिना PUCC वाहन चलाने पर कार्रवाई का प्रावधान भी बरकरार रखा गया है। नई व्यवस्था में अलग-अलग तरह के वाहनों के लिए अलग जुर्माना तय किया गया है। पहली और दूसरी बार नियम तोड़ने पर भी जुर्माने की राशि अलग-अलग रखी गई है।

मौसा ने 80 लाख में बेचा फ्लैट, भांजी ने सोने के लालच में रच दी हत्या की साजिश; रोहिणी केस में 4 गिरफ्तार

रोहिणी में राकेश खन्ना की हत्या और घर से कैश और ज्वैलरी गायब होने के मामले में पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, मृतक के परिवार की करीबी सिमरन ने अपने प्रेमी हिमांशु और दो अन्य साथियों चिराग व पारस के साथ मिलकर वारदात की योजना बनाई थी। सिमरन को पता था कि राकेश खन्ना ने हाल ही में करीब 80 लाख रुपये का फ्लैट बेचा था और रकम से सोना खरीदा था। योजना के तहत दो आरोपियों ने घर में घुसकर राकेश की हत्या की, जबकि सिमरन और हिमांशु बाहर निगरानी कर रहे थे। दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-3 में राकेश खन्ना अपनी पत्नी के साथ रहते थे। घटना के समय उनकी पत्नी घर से बाहर गई हुई थीं। वापस लौटने पर उन्होंने घर का सामान बिखरा देखा और राकेश को बेहोशी की हालत में पाया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद रोहिणी जिला पुलिस की टीम ने तुरंत जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के इलाके की जांच के साथ संदिग्धों की गतिविधियों को खंगाला। जांच के दौरान परिवार से जुड़े लोगों की भूमिका भी सामने आई और महज ढाई घंटे में पुलिस ने मामले का खुलासा कर दिया। पुलिस के अनुसार, सिमरन मृतक के परिवार की करीबी थी। उसे जानकारी थी कि राकेश खन्ना ने हाल में करीब 80 लाख रुपये का फ्लैट बेचा था और उससे सोना खरीदा था। इसी सोने को लूटने के लिए उसने अपने साथियों के साथ मिलकर योजना बनाई।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415